राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE: HARHIN11569

वर्ष 1, अंक 128, पेज 8, मूल्य 1 रूपये बुधवार 24 जुलाई 2024 samachargate@gmail.com

कांवडियों के लिए हरिद्वार तक चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

Page 4

अब मकान बेचने से नहीं होगा ज्यादा फायदा

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने आज बजट पेश किया। इसमें संपत्ति की बिक्री पर मिलने वाले इंडेक्सेशन बेनिफिट को खत्म करने की घोषणा की गई है। अब तक प्रॉपर्टी बेचने वाले लोग अपनी खरीद कीमत नहीं बढ़ा पाएंगे और अपने पूंजीगत लाभ को कम नहीं कर पाएंगे। अब तक की व्यवस्था में प्रॉपर्टी की सेल से होने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर इंडेक्सेशन बेनिफिट के भीतर 20% टैक्स लगाया जाता था। अब प्रॉपर्टी की सेल पर पूंजीगत लाभ के लिए इंडेक्सेशन बेनिफिट के बिना 12.5% का नया एलटीसीजी टैक्स रेट लागू होगा।

इसे एक उदाहरण की मदद से समझाते हैं। मान लीजिए आपने वित्त वर्ष 2002-2003 में 25 लाख रुपये में एक प्रॉपर्टी खरीदी। आप वित्त वर्ष 2023-2024 में एक करोड़ रुपये में यह प्रॉपर्टी बेच देते हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार 25 लाख रुपये की खरीद कीमत को इनकम टैक्स द्वारा नोटिफाई किए गए सीआईआई नंबरों के साथ बढ़ा सकते हैं। लेकिन नया नियम लागू हो जाने के बाद खरीद मूल्य को बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। टैक्सपेयर को बिक्री मूल्य से खरीद मूल्य को कम करके पूंजीगत लाभ की गणना करनी होगी।

सीतारमण ने कहा कि इससे टैक्सपेयर और टैक्स अधिकारियों के लिए कैपिटल गेन की गणना करना आसान हो जाएगा।

हर वित्तीय वर्ष में इनकम टैक्स विभाग इंडेक्सेशन बेनिफिट की गणना में उपयोग किए जाने के लिए एक कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स प्रकाशित करता है।

इसका यूज लॉन्ग टर्म कैपिटल एसेट की इन्फ्लेशन-एडजस्टेड कॉस्ट की गणना करने के लिए किया जाता है।

टैक्सेबल कैपिटल गेन का निर्धारण करने के लिए एसेट की सेल वैल्यू से इन्फ्लेशन-एडजस्टेड एक्विजिशन कॉस्ट को हटा दिया जाता है। हालांकि, इंडेक्सेशन बेनिफिट केवल खास तरह की एसेट्स पर उपलब्ध है।

"इस बजट से शिक्षा और स्किल को नई स्केल मिलेगी. ये मीडिल क्लास को नई ताकत देने वाला बजट है. ये जनजातीय समाज, दलितों और पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है. इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी."

प्रधान मंत्री मोदी

वित्तमंत्री ने बजट में जिस तरीके से कैंसर की दवाओं को सस्ता करने की घोषणा की है उसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। यह गरीब, किसान, व्यवसायी और आम आदमी के अनुरूप बजट है।

डॉ पंकज चत्रा, वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ चत्रा हार्ट एंड मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल

यह बजट गरीब और किसान कल्याण का बजट है। आम आदमी को राहत और आत्म सम्मान का बजट है इस बजट के जरिये महिलाओं के आभूषणों पर भी दी है राहत, युवाओं के लिए रोजगार व जनकल्याण का बजट है।

समाजसेवी वीरेंद्र गौड़ अजरौंदा

ये आम बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा और किसानों की समृद्धि वाला साबित होगा और इसके जरिए मध्यम वर्ग को प्रत्यक्ष कर व्यवस्था में राहत देकर सरकार ने सराहनीय कार्य किया है।

बिजेंद्र नेहरा प्रदेश प्रवक्ता भाजपा हरियाणा

इस बजट ने किसानों महिलाओ,युवाओं और उद्योगपतियों सभी का दिल खुश कर दिया है। जिसके लिए निर्मला सीतारमण जी की पूरी टीम बधाई की पात्र है।

कुसुम महाजन

इस बजट में हरियाणा जैसा राज्य जो देश के विकास में अहम योगदान देता है वहां किसान के लिए क्या कोई बड़ा फैसला लिया है? इस सरकार ने किसान के सामने अस्तित्व बचाने का संकट पैदा किया है, साथ ही 10 साल में भयावह बेरोजगारी बढ़ाई है।

लुकमान रमीज कांग्रेस नेता

नई इनकम टैक्स रिजीम या पुरानी, किसे चुनना अब ज्यादा फायदेमंद?

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को नई इनकम टैक्स रिजीम के तहत नया टैक्स स्ट्रक्चर पेश किया है। यह नया स्ट्रक्चर मिडिल क्लास के लोगों को टैक्स में राहत देगा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि नई इनकम टैक्स रिजीम के तहत 3 लाख रुपये तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। प्रस्ताव के अनुसार, 3 से 7 लाख रुपये के बीच की आय पर 5% टैक्स लगेगा। 7 से 10 लाख रुपये के बीच की इनकम पर 10% टैक्स होगा। 10 से 12 लाख रुपये के बीच की इनकम पर 15% टैक्स लगेगा। 12 से 15 लाख रुपये के बीच की आय पर 20% टैक्स और 15 लाख रुपये से ज्यादा की इनकम पर 30% टैक्स पहले जैसा ही रहेगा। यह नया टैक्स स्लैब 1 अप्रैल 2024 (आकलन वर्ष 2025-26) से लागू होगा। वहीं पुरानी टैक्स रिजीम को ज्यों का त्यों रखा गया है।प्रस्तावित स्ट्रक्चर में इनकम स्लैब को बढ़ाया गया है, खासकर 5% वाले स्लैब को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दिया गया है। इससे 7 लाख रुपये तक की कमाई करने वालों को काफी राहत मिलेगी। हालांकि, नए टैक्स सिस्टम के तहत, अगर कुल आय 7,00,000 रुपये से ज्यादा नहीं है, तो रेजिडेंट व्यक्तियों को 25,000 रुपये तक की टैक्स छूट पहले से ही मिलती है।10,00,001 रुपये से 15,00,000 रुपये के बीच कमाई करने वालों के लिए प्रस्तावित स्ट्रक्चर के तहत टैक्स थोड़ा कम होगा। उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति 12,00,000 रुपये कमाता है तो उसे प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 80,000 रुपये टैक्स देना होगा (50,000 रुपये + 10,00,000 रुपये से ज्यादा राशि का 15%), जबकि मौजूदा व्यवस्था के तहत उसे 90,000 रुपये टैक्स देना पड़ता है (45,000 रुपये + 9,00,000 रुपये से ज्यादा राशि का 15%)।

बाजार भाव

सोना ₹ 73,970

चाँदी ₹ 91,500

आज का मौसम

तापमान°

ज्यादा 36°

कम 28°

हंसना जरूरी है!

बिना टिकट यात्रा करने के जुर्म में बंगाली बाबा को टिकट चेकर ने पकड़ लिया...और फिर...

टिकट चेकर- टिकट दिखाएं, बाबा?

बाबा- नहीं है।

टिकट चेकर- जाना किधर है?

बाबा- जहां मयार्दा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ है।

आंकड़ों की खोखली बाजीगरी का नायाब नमूना है केंद्रीय बजट: मनोज अग्रवाल

समाचार गेट/पूजा गोयल

देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन और 125 करोड़ से अधिक कमजोर तबके के उत्थान व उनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के लिए नई सरकार में अपेक्षित सुधारवादी नीति और नीयत का अभाव है।

बल्लभगढ़। विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल ने मोदी सरकार की तीसरी पार्टी के पहले बजट को जनविरोधी और प्रधानमंत्री सरकार बचाओ योजना करार देते हुए कहा की आंकड़ों के हिसाब से बड़ी बड़ी बातें कही जाती हैं, सरकार बचाने के लिए बिहार और आंध्र को विशेष पैकेज दिया गया लेकिन हरियाणा जैसा राज्य जो देश के विकास में अहम योगदान देता है वहां किसान के लिए क्या कोई बड़ा फैसला लिया?

भाजपा सरकार ने किसान के सामने अस्तित्व बचाने का संकट पैदा किया है, साथ ही 10 साल में भयावह बेरोजगारी बढ़ाई है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को आधी अधूरी नौकरी दे रही है और देश का नौजवान पक्की नौकरी चाहता है। यह बजट नाउम्मीदी का साक्षात पुलिंदा है।

भाजपा सरकार यह जनविरोधी बजट अपने पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर और धन्नासेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, बच्चियों को मायूस करने वाला है।

वहीं केंद्रीय बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र की पीसीसी डेलीगेट व महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्रियंका अग्रवाल ने कहा की आज का यह बजट एक असफल सरकार का बजट है। जिसने हर वर्ग को निराश किया।

बजट से साफ हो गया है की भाजपा सरकार में प्रति व्यक्ति आय और विकास की मंजिल केवल मिथ्या प्रचार और जुमलेबाजी है।

इस सरकार से जनता को आशा थी

कि इस बार बेरोजगारी, बेतहाशा टैक्स और आर्थिक मंदी से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन देश को इस सरकार ने सिर्फ धोखा देने का काम किया है।

इस सरकार की जनविरोधी कार्यप्रणाली से आम जनमानस में भारी आक्रोश व्याप्त है।

हरियाणा की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश से भाजपा सरकार का सूपड़ा साफ कर केंद्र में बैठी अहंकारी मोदी सरकार को करारा जवाब देने का काम करेगी।

बजट बहुत ही निराशाजनक है: विजय प्रताप

बजट घाटा बिगाड़ सकता है वित्तीय संतुलन : विजय प्रताप

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप सिंह ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये बहुत ही निराशाजनक बजट है। महंगाई, बेरोजगारी,महिला सुरक्षा ,किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी या खाद में सब्सिडी जैसा कुछ नहीं किया गया, यानि थोथा चना बाजे घना वाला बजट है।

बजट को वित्तीय संतुलन बिगाडने वाला और देश की अर्थव्यवस्था को डांवाडोल करने वाला बताते आमजन की इच्छाओं के विपरीत बताया।

उन्होंने आगे कहा कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण चीज युवा निधि योजना है।

इस सरकार ने अप्रेंटिसशिप प्राप्त करने वाले प्रत्येक युवा को 5000 रुपये देने की घोषणा की है।

इससे यह साबित होता है कि यह सरकार राहुल गांधी के विचारों को कॉपी कर रही है।

यह बजट जनता को "बचाने" के लिए नहीं, सरकार बचाने के लिए पेश हुआ है

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। कांग्रेस के जोनल अध्यक्ष माइनोरिटी डिपार्टमेंट हरियाणा प्रदेश एवं कोर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश जिला मेवात प्रभारी ओबीसी सेल से लुकमान रमीज ने कहा कि यह बजट मुख्य रूप से जनता को "बचाने" के लिए नहीं बल्कि सरकार बचाने के लिए पेश हुआ है, जिसमें दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों व गरीबों के लिए कोई ठोस योजना नहीं। किसान की आय दुगुनी नहीं, कर्मचारी के लिए ओपीएस नहीं, नौजवान को बेरोजगारी से राहत नहीं, आम जन महंगाई झेलता रहेगा, देश व हरियाणा को हताश व निराश करने वाला बजट है। बजट में हरियाणा के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है।

बहुत निराशाजनक बजट है. किसानों के लिए हम जो अपेक्षा कर रहे थे वो नहीं मिला। रेलवे के लिए कुछ नहीं मिला. रेलवे का हाल तो ऐसा हो गया है कि वो न इधर का रहा ना उधर का। कई राज्यों में आने वाले चाड़ को लेकर सरकार ने कोई विशेष पैकेज का ऐलान नहीं किया। इनके बजट में एससी-एसटी का नाम ही नहीं है. शायद यह सरकार ने उस वर्ग को सबक सिखाने के लिए नजर अंदाज किया है।

ये अच्छे दिन की उम्मीदों वाला कम बल्कि उन्हें मायूस करने वाला ज्यादा है। उन्होंने कहा कि देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन तथा यहां के 125 करोड़ से अधिक कमजोर तबकों के उत्थान व उनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के प्रति इस नई सरकार में भी अपेक्षित सुधारवादी नीति व नीयत का अभाव है। बजट में ऐसे प्रावधानों से क्या लोगों का जीवन खुश व खुशहाल हो पाएगा?

11 साइबर ठगों ने 4169 लोगों को बनाया शिकार

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। साइबर ठगी के आरोप में अरेस्ट किए गए 11 आरोपियों ने देशभर में 4 हजार से अधिक लोगों को ठगा था। इनके खिलाफ कुल 4169 शिकायतें देशभर में पुलिस को मिली हैं। इन मामलों में आरोपियों ने लोगों से लगभग 14 करोड़ 7 लाख रुपये ठगे। आरोपियों के खिलाफ कुल 192 एफआईआर अब तक दर्ज हो चुकी हैं। इनमें 16 एफआईआर हरियाणा में दर्ज हैं।एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान की अगुवाई में साइबर क्राइम थानों की टीम ने बीते दिनों 11 साइबर ठगों को अरेस्ट किया है।

बिहार को नहीं रहा 'स्पेशल' वाला मलाल, बजट में नीतीश कुमार हुए मालामाल

समाचार गेट/एजेंसी

पटना। बिहार के लिए केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधान चौंकाने वाले नहीं हैं। इसकी उम्मीद पहले से ही की जा रही थी। केंद्र की एनडीए सरकार के प्रति नीतीश की निष्ठा और धैर्य का यह परिणाम है। सरकार ने बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को जब नीतीश की बिहार को विशेष दर्जा देने की मांग को खारिज कर दिया तो नीतीश कुमार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे सबसे अधिक तकलीफ विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को हुई। नीतीश कुमार को इस्तीफा देने के लिए आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव उकसाने लगे। कांग्रेस ने 'अंतरात्मा जाग जाएगी' तक का जिक्र किया। मगर, नीतीश कुमार खामोश रहे। इसलिए उन्हें भी पता था कि विशेष राज्य का दर्जा टेढ़ी खीर है। अलबत्ता, विशेष पैकेज मिल सकता है।

यही वजह रही कि इस बार जेडीयू ने अपनी कार्यकारिणी की बैठक में जब विशेष राज्य की मांग का प्रस्ताव पारित किया तो उसके साथ विशेष पैकेज का विकल्प भी रखा था। यानी बिहार को खास मदद। इसके लिए केंद्र सरकार के सामने सबसे अनुकूल अवसर आम बजट ही था। आज बजट में बिहार के विकास के लिए उन सारे जरूरी कामों के लिए खासा आवंटन का प्रावधान किया है। नीतीश कुमार को केंद्र सरकार ने जरूर संतुष्ट कर दिया है।

हालांकि, मांगने वाले का मन जितना मिले, उससे कभी भरता नहीं। मगर, नाखुश होने का अब कोई कारण भी नहीं दिखता है। सड़क और पुल परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ कम नहीं होते। पावर प्लांट के लिए बिहार को 21400 करोड़ रुपए मिले हैं। बिहार का औद्योगिक विकास होता है तो बिजली की मांग भी बढ़ेगी। शायद इसे ही ध्यान में रखते हुए भागलपुर के पीरपैंती में 4200 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने के लिए बजट में इतनी बड़ी रकम का प्रावधान वित्त मंत्री ने किया है। यानी सिर्फ दो सेक्टर के लिए केंद्र से बिहार को 45400 करोड़ की व्यवस्था बजट में की गई है।बजट में घोषित केंद्र सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी परोक्ष तौर पर बिहार को मिलेगा।

बिहार बाढ़ की विभीषिका झेलता रहा है। विशेष राज्य के दर्जे के लिए इसे भी बड़े कारण के रूप में बताया जाता रहा है।

बजट में इसका भी निराकरण कर दिया गया है। बाढ़ से निपटने के लिए बजट में 11500 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यानी मोटे तौर पर देखें तो प्रत्यक्ष रूप में बजट में बिहार के लिए 59000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो नीतीश की स्पेशल पैकेज की मांग को पूरा करता दिखता है।बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग भले मूल रूप से नीतीश कुमार की रही है, लेकिन विपक्ष अब इसका राग अलापेगा। वो भी सिर्फ दिखावे के लिए।

नीतीश ने तो पहले ही विशेष पैकेज का विकल्प देकर केंद्र सरकार को धर्म संकट से बचा लिया था। केंद्र ने भी भले इसका नाम विशेष पैकेज न रखा हो, लेकिन 59000 करोड़ रुपए विशेष पैकेज से कम नहीं दिखते।

विपक्ष के पास बोलने के लिए अब कुछ नहीं बचा है। नीतीश को अब न इस्तीफा देने की जरूरत है और न नरेंद्र मोदी सरकार से समर्थन वापस लेने की। उन्हें तो भाजपा के साथ रहने का प्रतिफल मिल गया है। उन्हें इस पैसे से बिहार के विकास की रूपरेखा तैयार कर भी केंद्र सरकार ने दे दिया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस की याचिका को किया खारिज, किरण चौधरी बनी रहेंगी विधायक

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में सदस्यता रद्द किए जाने की मांग को लेकर दी गई कांग्रेस और जेजेपी की याचिकाओं पर विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने सोमवार को कार्रवाई की। उन्होंने किरण चौधरी के खिलाफ दायर कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया। वहीं, जेजेपी की याचिका को दाखिल कर लिया गया है। विधानसभा स्पीकर की कोर्ट में सोमवार को इन लंबित याचिकाओं पर सुनवाई की गई।

सदस्यता रद्द करने की मांग की थी

किरण चौधरी वर्ष 2019 में कांग्रेस के टिकट पर तोशाम से चुनाव लड़कर जीती थीं। अब वह बीजेपी में शामिल हो चुकी हैं। ऐसे में विधानसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक भारत भूषण बत्रा और विधायक दल के उपनेता आफताब अहमद की ओर से 19 जून को किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस भेजा गया था। 11 जुलाई को उन्होंने याचिका दायर कर किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान गुप्ता ने तोशाम से विधायक किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने संबंधित कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका विधान सभा के ह्यदल-बदल के आधार पर सदस्यों की अयोग्यता नियम, 1986 की कसौटियों पर खरी नहीं उतरी।

इसी दौरान स्पीकर ने जेजेपी की तरफ से दायर याचिका पर भी सुनवाई की। याचिका में नरवाना के विधायक रामनिवास और बरवाला के विधायक जोगीराम सिहाग की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की गई है। जेजेपी ने दोनों विधायकों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने और बीजेपी को समर्थन देने का आरोप लगाया है। यह याचिका जेजेपी के कार्यालय सचिव रणधीर सिंह की ओर से दायर की गई है। हालांकि, याचिका हरियाणा विधान सभा (दल-बदल के आधार पर सदस्यों की अयोग्यता) नियम 1986 के नियम 6 की अपेक्षा पर खरा नहीं उतरती। इसके बावजूद विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय के आधार पर याचिका पर सुनवाई करने का निर्णय लिया है। दोनों आरोपित विधायकों और जेजेपी विधायक दल के नेता को अपना पक्ष चार सप्ताह के भीतर रखने के लिए कहा गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह के साले अरिदमन सिंह बिल्लू कांग्रेस में शामिल

समाचार गेट /पंकज

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के नजदीकी रिश्तेदार अरिदमन सिंह ने कहा कि भाजपा में मेहनत करने वाले लोगों को कोई तवज्जो नहीं दी जाती। कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, उनके बेटे दीपेन्द्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदय भान, के नेतृत्व में कार्यकताओं को पार्टी में पूरा सम्मान मिलता है।

सोहना। पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह के साले अरिदमन सिंह बिल्लू मंगलवार को भाजपा का दामन छोडकर कांग्रेस में शामिल हो गये। उन्होंने रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह के दिल्ली के तालकटोरा रोड़ स्थित निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा,सांसद जय प्रकाश, सांसद वरुण चौधरी, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ सोहना क्षेत्र के 500 से अधिक प्रमुख लोगों ने कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। अरिदमन सिंह बिल्लू का कांग्रेस में स्वागत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने उन्हें कांग्रेस में पूर्ण सम्मान मिलने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बिल्लू जैसे कर्मठ एवं जनाधार वाले लोगों को हमेशा सम्मान मिला है। अरिदमन सिंह ने कहा कि वे पहले से कांग्रेस में जुड़े रहे हैं। उनके पिता कंवर विजय पाल सिंह 1977 में सोहना से विधायक चुनकर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रहे।

गौरतलब है कि गुरुग्राम जिला राजपूत महासभा के अध्यक्ष रहे बिल्लू ने दो बार सोहना से विधानसभा का चुनाव लड़ा और दोनों ही बार कम अंतराल से ही वे जीत से वंचित रह गये। उन्होंने कहा कि वे और उनके साथ कांग्रेस में शामिल हुए सभी प्रमुख लोग कांग्रेस का जनाधार मजबूत करने और आने वाले विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनाने में कोई कमी नहीं रहने देंगे।

इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद मांगेराम चौहान, पूर्व चेयरमैन जाटौली मंडी विक्रांत सिंह, पूर्व पार्षद रामवीर सिंह, पूर्व पार्षद यशवीर सिंह बुग्गड़, सुनील नंबरदार सांचोली, मनोज पंच लोहसिंगानी, तरुण सरपंच लोहसिंगानी, पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य देवव्रत सिंह दौला, रमेश छौंकर लोहसिंगानी, राव महेंद्र सिंह पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य, सुरेंद्र शर्मा बैंक बडौदा यूनियन प्रधान, विकास गुप्ता आढ़ती, शिव राघव शिव कुण्ड पूर्व प्रधान, ब्रह्म जैलदार टोलनी, अमीलाल पूर्व सरपंच, सरदार रतन सिंह पूर्व उप प्रधान नगर पालिका सोहना, आनंद सरपंच, आजाद भारद्वाज भौंडसी ऑल इंडिया ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष, गिरिराज सिंह लाला खेड़ली, देवराज राघव पूर्व सरपंच, देवेंद्र शर्मा मण्डावर आदि सहित सात-आठ सौ लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा।

जनता की समस्याओं का अविलंब समाधान हो: उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जनता को सरकारी योजनाओं व नीतियों का समय पर लाभ देना सुनिश्चित किया जाए तथा समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों व समस्याओं का बिना देरी के समाधान किया जाए। सरकारी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू किया जाए, जिससे जिला के लोगों को इनका समयबद्ध लाभ मिल सके। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा मंगलवार को समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं को सुनने के दौरान उपस्थित जिला प्रशासन के अधिकारियों को शिकायतों का समाधान करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के जरिये नागरिकों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जा रहा है। इस शिविर में शिकायतों का त्वरित समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से समाधान प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को व्यवस्थित करना और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अपराध से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जन स्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को समाधान शिविर में कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें नूंह में 23, तावडू में 6, फिरोजपुर झिरका में चार तथा पुन्हाना में एक शामिल हैं। उपायुक्त ने इन सभी शिकायतों का त्वरित समाधान कर रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम नूंह विशाल, एसडीएम फिरोजपुर झिरका डा. चिनार चहल, एसडीएम तावडू संजीव कुमार व एसडीएम पुन्हाना लक्ष्मीनारायण उपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीता रमण ने कौशल विकास के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए

समाचार गेट/ ज्योति खंडेलवाल

पलवल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीता रमण ने कौशल विकास के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। रोजगार और कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पांच कार्यक्रमों के लिए 2 लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। इसमें शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के लिए 1.48 लाख करोड़ का बजट अपने आप में बड़ा प्रावधान है। देश की 500 शीर्ष कंपनियों के माध्यम से एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण का लक्ष्य अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। 5 हजार रुपए के मासिक मानदेय के साथ 12 महीने की प्रधानमंत्री इंटर्नशिप युवाओं को सर्वाधिक आकर्षित करेगी। इससे देश की युवा शक्ति को कुशल बनाने और जॉब रेडी बनाने में बड़ी सफलता मिलेगी। हरियाणा की यदि हम बात करें तो इतने बड़े पैमाने पर युवा स्किल्ड बनेंगे तो इंडस्ट्री की भी जरूरत पूरी होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। हरियाणा का काफी बड़ा हिस्सा दिल्ली एनसीआर में आता है। यह इंडस्ट्री का भी बड़ा हब है। केंद्रीय बजट में कौशल विकास के लिए जो पहल की गई है। उससे हरियाणा में एक बड़ा इको सिस्टम तैयार करने में मदद मिलेगी। 1000 आईटीआई के उन्नयन का प्रावधान सुखद परिणाम लेकर आएगा। 25 हजार छात्रों के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना में संशोधन से भी बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है।

बजट से पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीता रमण के साथ परामर्श बैठक में मैंने कौशल विकास के विभिन्न बिंदुओं पर अपने सुझाव दिए थे। उन्होंने कौशल विकास पर बजट में बड़ा फोकस किया है। इस बजट को कौशल विकास की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बजट पेशी पर बोले भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य व लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्यः डॉ हरेंद्र पाल राणा

समाचार गेट/ ज्योति खंडेलवाल

पलवल। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व हरियाणा लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ हरेन्द्र राणा ने कहा है कि केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सहायक होगा ' बजट के माध्यम से 2047 का रोड मैप तैयार किया गया है ' समाज के चारो वर्ग युवा, महिला, गरीब और किसानो को इस बजट से आर्थिक मजबूती मिलेगी ' युवाओ को रोजगार के नये अवसर मिले, इसके लिए रोजगार लिंक योजना प्रारम्भ की गई जिससे एक करोड़ युवाओ को लाभ मिलेगा ' गरीबो के उत्थान के लिए 3 करोड़ घर बनाये जाएंगे जिससे वह विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके ' इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बिजली, सड़क, यातायात पर विशेष ध्यान दिया गया है ' डॉ हरेन्द्र राणा ने कहा है कि बजट में महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया गया है ' अनुसंधान के लिए सरकार कटिबद्ध है ' डॉ हरेन्द्र राणा ने कहा है कि बजट से भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा जिससे विश्व की बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर होगा

नूंह ज़िला के सभी पानी के चेंबर व बूस्टरों पर किया गया पौधा रोपण

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह।मंगलवार को ज़िला नूंह के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के पानी के हर चेंबर और पानी कर बूस्टरों पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से 3800/ पौधे लगाएं गए इस मौके पर पुन्हाना फिरोजपुर झिरका तावडू इंडरी नगीना पिनगवा में मानसून सत्र में पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिये और हर तरफ हरियाली के लिये जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एंव स्वच्छता सहायक की टीम ने मिलकर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने अपने हर चेंबर और हर बूस्टर को हरा भरा करने के लिये पौधा रोपण किया हैं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधा रोपण किया गया ये पौधा रोपण जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कर कर्मचारियों की देखरेख मे किया गया हैं । जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एंव स्वच्छता सहायक संगठन के पदाधिकारियों द्वारा इसमें अपनी अहम भूमिका अदा की प्रकृति के साथ हम जैसा व्यवहार करेंगे बदले में हमें भी प्रकृति से वैसा ही व्यवहार मिलेगा। आज हम देख सकते हैं की वैश्विक तापमान 50 डिग्री के पास पहुंच गया हैं इस तापमान में पर्यावरण के चोटे बड़े सभी तरह के पौधे झुलस गये हैं । इस लिए हम मे से हर एक व्यक्ति को पर्यावरण को जिंदा रखने के लिये पौधा रोपण करना बहुत जरूरी हैं ।

लेन ड्राइविंग का उल्लंघना करने वालो के खिलाफ होगी कार्यवाहीः पुलिस अधीक्षक नूंह

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। पुलिस लेन ड्राइविंग को लेकर अब सख्त कार्यवाही करेगी । लेन ड्राइविंग की उल्लंघना करने वाले वाहन चालक, विशेष रूप से भारी वाहन चालकों के खिलाफ हरियाणा पुलिस ने कारवाई करने के लिए आदेश जारी किये गए हैं । इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे करनाल की ओर से आदेश जारी किये गए हैं पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे करनाल की तरफ से जारी आदेशों में कहा गया है कि नेशनल हाईवे पर भारी वाहन चालकों द्वारा लेन ड्राइविंग की पालना ना कर-के तेज गति वाली लेन का प्रयोग किया जा रहा है।

इस संबंध में पुलिस द्वारा मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किये जा रहें हैं तथा समय-समय पर वाहन चालकों को जागरूक भी किया जा रहा है, उसके वावजूद भी वाहन चालक लेन ड्राइविंग नियमों की अनदेखी करने से बाज नहीं आते ।

आगे बताया कि अब पुलिस ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ सख्त करवाई करते हुए कार्यवाही करेगी । उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे करनाल ने भी निर्देश जारी किये हैं ।

शहरी क्षेत्रों में लघु वनों का सृजन करना है मियावाकी तकनीक : वंदना

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय सिंह की धर्मपत्नी वंदना ने खंड तावडू में ऊर्जा वाटिका का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबको पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम व कृषि विभाग के सहयोग से मियावाकी तकनीक के तहत यहां पर लगभग 1000 को पौधे रोपित किए गए हैं, जो निश्चित ही आने वाले समय में हमें शुद्ध ऑक्सीजन देने का कार्य करेंगे। वंदना ने स्वयं भी ऊर्जा वाटिका में पधारोपण किया और उपस्थित लोगों को पौधारोपण की शपथ भी दिलवाई।

उन्होंने कहा कि मियावाकी तकनीक के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में लघु वनों का सृजन करना है। यह तकनीक जलवायु परिवर्तन से निपटने, प्रदूषण के स्तर को कम करने और शहर के हरित आवरण में वृद्धि करने के लिये कारगर है।उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण की इस तकनीक में हर वर्ग मीटर के भीतर देशी पेड़, झाड़ियाँ और जमीन को ढकने वाले पौधे लगाए जाते हैं। यह विधि जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों के लिए आदर्श है और इससे ऊँचे पेड़ों की घनी छतरी परत बनती है।मियावाकी वृक्षारोपण के लिए चुनी गई प्रजातियां आमतौर पर ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें बहुत अधिक रखरखाव की आवश्यकता नहीं होती है और वे कठोर मौसम और पानी की कमी वाली परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं तथा मौजूदा परिस्थितियों में तेजी से बढ़ते हैं, जिससे हरियाली का घना आवरण प्राप्त होता है।उन्होंने कहा कि स्थानीय वृक्षों का घना हरा आवरण उस क्षेत्र के धूल कणों को अवशोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जहाँ उद्यान स्थापित किया गया है। साथ ही पौधे सतह के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं।इस अवसर पर एसडीएम तावडू संजीव कुमार, उप पुलिस अधीक्षक तावडू मुकेश कुमार, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम सोने के कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी हुए कर्मचारी उपस्थित थे।

दलित समाज के लोगों की बैठक का हुआ आयोजन, समाज ने नवीन रोहिल्ला को दिया अपना समर्थन

समाचार गेट /हरिओम भारद्वाज

होडल । विधानसभा चुनाव को लेकर राजनेताओं ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। राजनेता अपनी जमीन तराशने में सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में डॉ नवीन रोहिल्ला ने दलित समाज की बैठक आयोजित किया। बैठक में समाज विधानसभा के प्रबुद्ध लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया। बैठक का आयोजननेशनल हाईवे स्थित डॉ. नवीन रोहिला कार्यालय पर किया गया।जिसमें होडल विधानसभा के दलितों ने सैंकडो की संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मीटिंग में होडल विधानसभा के अलग अलग गांव से आए दलित समाज के लोगों ने अपने विचार रखे।जिनमें ओमप्रकाश बंचारी, रामवीर सिहा, रामपाल पूर्व डीएसपी लिखी, दुलीचन्द मित्रोल, बंटी मेम्बर भिडुकी, किशन मेम्बर भुलवाना, महेन्द्र जाजोरिया सोहना, अशोक सरपंच बनचारी, चंदन मास्टर बांसवा,शेर सिंह कच्चा तालाब होडल, जयराम प्रधान गाड़ियां मोहल्ला आदि ने अपने विचार रखे। मीटिंग में होडल विधानसभा में रह रहे दलित समाज की समस्याओं के ऊपर प्रकाश डाला गया तथा उनके निदान के बारे में भी चर्चा की गई। जिसमें होडल विधानसभा के गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखे। डॉ नवीन रोहिला जी ने समाज को अपना प्रथम गुरु बताते हुए कहा कि जैसा समाज का आदेश होगा हम उसी प्रकार से आगे की अपनी रूपरेखा तैयार करेंगे। डॉ. नवीन रोहिला ने अपने समाज से वादा किया कि वह अपने समाज के हर सुख दुख में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा खड़ी रहेंगी।

उसके बाद चीफ साहब मदन लाल रोहिला ने भी अपने सम्बोधन में कहा कि हम अपने समाज के साथ हमेशा खड़े थे, खड़े है और हमेशा खड़े रहेंगे। आप बस अपना आशिर्वाद हम पर बना कर रखना। इस अवसर पर समाज के लोगों ने अपने हाथ उठाकर डॉ नवीन रोहिल्ला को समर्थन देने की घोषणा की है।

विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए 27 दिसंबर आवेदन आमंत्रित: उपायुक्त

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जिला उपायुक्त व जिला रैडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष धीरेंद्र खड़गटा के कुशल मार्गदर्शन में रेडक्रास सोसायटी की ओर से दिन-प्रतिदिन जन कल्याण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती एवं कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए जिला रैडक्रॉस सोसायटी ने जिला सचिवालय नूंह में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का शुभारंभ जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने सभी रक्तदाताओं को रक्तदाता बैज लगाते हुए किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने सभी को जागरूक करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और ये दान अमूल्य है। सभी को रक्तदान करते हुए किसी भी अनजान की जिंदगी बचाने का मौका मिलता है और सभी द्वारा एक-एक पौधा लगाने से हमारी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित हो सकती हैं। इस शिविर की अध्यक्षता जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता ने की। उन्होंने बताया कि शिविर में 50 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया है। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति जिसकी उम्र 18 वर्ष हो व उसका वजन 45 किलो से अधिक हो तथा ह्यूमोग्लोबिन 12.5 ग्राम हो, वह व्यक्ति नियमित तौर पर दवाइयां न खाता हो। ऐसे युवा एवं व्यक्ति 90 दिनों के अंतराल पर तथा महिला 120 दिनों के बाद पुनः रक्तदान कर सकते हैं। जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने बताया की सभी युवाओं को रक्तदान अपने जन्मदिन, बुजुर्गों की पुण्यतिथि, शादी की सालगिराह तथा महापुरुषों की जयंती तथा शहीदी दिवस पर रक्तदान किया जा सकता है। इस शिविर में 30 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया है। शिविर के सफल आयोजन में ब्लड बैंक इंचार्ज स्वाति यादव एवं रैडक्रॉस सोसायटी नूंह से नरेश कुमार, नितिन कुमार का अहम योगदान रहा।

शराब न मंगवाने पर किसान की हत्या, शव खेतों में फैंका , तीन नामजद सहित 5 के खिलाफ मामला दर्ज

समाचार गेट /हरिओम भारद्वाज

होडल। चांदहट निवासी धर्मवीर सिंह हसनपुर के सहदेव नंगला गांव में पट्टे पर जमीन लेकर कृषि का कार्य करते थे। सुबह सहदेव नगला में ही रहता था। सहदेव नंगला निवासी पेप्सी गुलशन वह टिंकू अपने दो साथियों को लेकर धर्मवीर के पास पहुंचे और सभी ने मिलकर धर्मवीर को जबरन बीयर में शराब मिला कर पिलाया। धर्मवीर ने अपने बेटे नरेंद्र को फोन कर घटना के बारे में बताया दिया। उसके बाद उन्होंने धर्मवीर से और शराब मंगवाने का दवाब बनाने की जिद करने लगे। बताया गया है कि शराब न मंगाने पर उन लोगों ने धर्मवीर की हत्या कर शव उनके के खेत में फेंक दिया।

अगले दिन नरेंद्र ने अपने पिता को फोन किया तो फोन स्विच ऑफ जा रहा था। नरेंद्र को अपने पिता को लेकर शंका होने लगी वह तुरंत हसनपुर के सहदेव नंगला पहुंचा। नरेंद्र खेत के मालिक और कुछ ग्रामीणों को लेकर खेतों पर पहुंचे। खेत पर बने कोठरे पर पिता धर्मवीर नहीं मिला तो उन्होंने आसपास तलाशने लगे ट्यूबवैल से सौ मीटर समीप ईंख के खेत में धर्मवीर का शव मिला। धर्मवीर के शव देख लोग हतप्रभ रह गए । नरेंद्र ने बिना देर किए पुलिस सहायता डायल 112 नंबर पर कॉल किया। सूचना मिलते ही हसनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए हसनपुर थाना प्रभारी संजीव कुमार ने मौके पर एफएसएल टीम को बुला लिया। जांच के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा शव को परिजनों को सौंप दिया। हसनपुर थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

समाचार गेट

TITLE CODE: HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रबीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निवर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा। सम्पादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

विजय प्रताप के जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा तांता

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय प्रताप सिंह के जन्मदिन के अवसर पर सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। शहर के अलग-2 कोनों से लोग उनको बधाई देने के लिए आ रहे थे। कोई केक, तो कोई मिठाई एवं बुके लेकर उनको जन्मदिन की शुभकानाएं दे रहे थे। अपने जन्मदिवस के शुभअवसर पर ग्रीन ब्रिगेड वृक्षारोपण संस्था द्वारा सैनिक कॉलोनी, चौपाल पर बरगद का पौधा लगवाकर दिन की शुरुवात की गई। ग्रीन ब्रिगेड टीम द्वारा मिले स्नेह और आशीर्वाद के लिए उन्होंने टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सबको प्रण लेना चाहिए कि अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक पौधा अवश्य लगाएं। पौधों का जीवन में अनंत महत्व है और किसी भी कृत्रिम चीज से इनके महत्व को कम नहीं किया जा सकता। हम अगर स्वच्छ एवं बेहतर श्वांस ले पा रहे हैं तो इन पौधों की वजह से ही। पौधे हमारे लिए जीवनदायिनी हैं और इनकी सुरक्षा करना हमारा कर्तव्य है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है। इस मौके पर विजय प्रताप सिंह की धर्मपत्नी वेणुका प्रताप खुल्लर, पार्षद राकेश भड़ाना, राजू सहित ग्रीन ब्रिड वृक्षारोपण की तमाम टीम मौजूद रही। इसके बाद विजय प्रताप के निवास पर उनके चाहने वालों का तांता लगा रहा और लोग बधाई देने आते रहे। विजय प्रताप ने अपने जन्मदिन पर जनता से मिले अपार प्यार और स्नेह के लिए आभार प्रकट किया और जनता के बीच में रहकर उनकी सेवा करता रहूंगा।

राकेश चपराना ने दी विजय प्रताप को जन्मदिन की बधाई

फरीदाबाद। बडखल विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप के जन्मदिवस पर आज युवा कांग्रेसी कार्यकर्ता राकेश चपराना(मेवला महाराजपुर) अपनी टीम के साथ विजय प्रताप के सैनिक कालोनी निवास पहुंचे और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर व मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राकेश चपराना ने कहा कि चौ.विजय प्रताप आज युवाओं की पहली पसंद है। विजय प्रताप की सादगी एवं उनका कुशल व्यवहार ही है जो युवा भारी संख्या में उनकी और आकर्षित हो रहे है। राकेश चपराना ने कहा कि मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में विजय प्रताप सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएं ताकि वो इस विधानसभा क्षेत्र के खोए हुए गौरव को वापिस लौटाकर यहां की जनता की खुलकर सेवा कर सकें।

संजय कौशिक ने विजय प्रताप को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

फरीदाबाद। पूर्व चेयरमेन संजय कौशिक आज कई अन्य कांग्रेसी कार्यकताओं के साथ बडखल विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह के सेक्टर-49 सैनिक कालोनी स्थित निवास पर पहुंचे और उन्हें जन्मदिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। संजय कौशिक ने विजय प्रताप सिंह को पुष्प गुच्छा देकर व मिष्ठान खिलाकर भगवान से उनकी दीर्घायु, स्वस्थ जीवन व उज्जवल भविष्य की कामना की। संजय कौशिक ने कहा कि विजय प्रताप सच में महान है जिन्होंने जनता की भलाई और खुशहाली के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। उन्होंने कहा कि छोटे से छोटे कार्यकताओं का मान सम्मान करना कोई विजय प्रताप जी से सीखे जो हमेशा युवाओं को आगे बढ़े की प्रेरणा के साथ साथ उनके सुख दुख में कन्धे से कन्धा मिलाकर साथ खड़े रहते है।

विकसित भारत के सपने को पूरा करने वाला है यह बजटः बिजेन्द्र नेहरा

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने बजट को गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बताया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। मोदी सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और निर्मला सीतारमण के कठिन परिश्रम एवं कृष्णपाल गुर्जर के विजन से तैयार ये आम बजट आत्मनिर्भर भारत को सशक्त करने वाला एक संतुलित बजट है।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि ये आम बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा और किसानों की समृद्धि वाला साबित होगा। नेहरा ने कहा कि मध्यम वर्ग को प्रत्यक्ष कर व्यवस्था में राहत देकर सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत को 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने के संकल्प को, गरीब कल्याण को, मध्यम वर्ग के उदय को, नए अन्वेषण को और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला बजट है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमई और मध्यम वर्ग का पूरा-पूरा ख्याल रखा है।

श्री नेहरा ने 5 साल में 4.1 करोड़ युवाओं के रोजगार देने वाले इस बजट का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया है। नेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य को पूरा करते हुए विकसित भारत की रूपरेखा तैयार करेगा। समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला बजट है। बिजेन्द्र नेहरा ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य हर भारतवासी की आकांक्षाओं को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अपना विश्वास जताया है, इसी का परिणाम है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था में चमक आ रही है। आज के बजट में मोदी सरकार ने नौकरी-पेशा वालों को भी बड़ी राहत दी है। अब 3 लाख तक की कमाई को टैक्स फ्री कर दिया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए बजट में 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है, महंगाई लगातार कंट्रोल में है। खाने-पीने की चीजें भी पहुंच में हैं। गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता इन इन चार जातियों पर मोदी सरकार का फोकस है।

बड़ौली ने कहा कि कैंसर दवा भी सरकार ने सस्ती की है तथा कैंसर पेशेंट को राहत देने के लिए 3 दवाओं पर पूरी तरह कस्टम ड्यूटी हटाई गई है।

6 करोड़ किसानों की जानकारी लैंड रजिस्ट्री पर लाने की योजना बेहतर है तथा युवाओं के लिए मुद्रा लोन की रकम 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए करना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

500 टॉप कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का वादा युवाओं का करियर सुरक्षित करेगा। नेहरा ने कहा कि सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1 करोड़ घरों को 300 यूनिट बिजली का वादा गरीबों को बड़ी राहत पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि बजट में छोटे व्यापारियों, लघु उद्योगों की प्रगति का नया रास्ता मिलेगा।

बजट में उत्पादन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बल दिया है इससे आर्थिक विकास को नई गति और निरंतरता मिलेगी।ह्न नेचुरल फॉर्मिंग से अगले एक साल में एक करोड़ किसानों को जोड़ना, खेती में रिसर्च को ट्रांसफॉर्म करना, एक्सपर्ट की निगरानी, नई वैरायटी को बढ़ावा देना किसान और किसानी के हित में बड़ा निर्णय है।

मध्यमवर्गीय परिवार के लिए मील का पत्थर साबित होगा बजटः गोल्डी अरोड़ा

समाचार गेट/ब्यूरो

» बजट से देश के विकास को नए पंख लगेंगे और उन्नति के द्वार खुलेंगे और इससे देश के विकास को नई गति मिलेगी युवा शक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब के उत्थान को समर्पित बजट देश के कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को सशक्त करने में सहायक होगा

फरीदाबाद। देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मोदी सरकार.3.0 के प्रथम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के जिला सचिव गोल्डी अरोड़ा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो प्रतिमान रखे है, उन्हें गति देने में यह बजट मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने विकसित भारत के साथ-साथ गरीब कल्याण और मध्यम वर्ग की अपेक्षाओं का भी पूरा ध्यान रखा है।

यह बजट संतुलित, सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी है।

प्रेस को जारी बयान में श्री अरोड़ा ने कहा इस और यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के सपनों के भारत को साकार करने वाला बजट है और इसमें हर वर्ग के उत्थान का ध्यान रखा गया है।

उन्होंने कहा कि बजट में छोटी से छोटी चीजों से लेकर बड़े से बड़े इलेक्ट्रोनिक प्रोडक्ट पर टैक्स को घटाकर मोदी सरकार ने भारत की जनता को एक बेहतरीन तोहफा दिया है।

राष्ट्रीय मीडिया प्रेस क्लब ने 'एक वृक्ष राष्ट्र के नाम' से वृक्षारोपण

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। गुरु पूर्णिमा के दिन राष्ट्रीय मीडिया प्रेस क्लब ने एक वृक्ष राष्ट्र के नाम से वृक्षारोपण अभियान शुरू किया। यह अभियान सेक्टर-11 वाईएमसीए चौक से शुरू हुआ इस अभियान में वाईएमसीए रोड मार्केट एसोसिएशन ने राष्ट्रीय मीडिया प्रेस क्लब का तहे दिल से साथ दिया यह वृक्षारोपण अभियान 130 पेड़ लगाकर शुरू किया गया। इस वृक्षारोपण अभियान में सुरेंद्र शर्मा (बबली), वरुण शोकन्द , महेश चंद्र अग्रवाल, विक्रांत सिंगला, संतोष (काके), कविता पाठक, कुमकुम सिंह, एडवोकेट पराग शर्मा के साथ वरिष्ठ पत्रकार श्री आर.के. गुप्ता, विजय दहिया, हेमंत शर्मा व वाईएमसीए रोड मार्केट एसोसिएशन के साथियों ने भी अपना भरपूर साथ दिया इस अभियान में भाजपा के जिला सचिव श्री मुकेश अग्रवाल जी ने इस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. के. गुप्ता को इस वृक्षारोपण अभियान को चलाने पर बधाई दी।

एमसीएफ कमिश्नर ने मोटापे और कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य अभियान को समर्थन दिया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। नगर निगम आयुक्त, श्रीमती ए.मोना श्रीनिवास आईएएस ने डॉ. बाला के मोटापा निवारण आधारित कैंसर रोकथाम स्वास्थ्य अभियान को अपना दृढ़ समर्थन दिया"...।

भारत की अग्रणी जीवनशैली और निवारक चिकित्सा विशेषज्ञ और मेडफिट इंडिया मूवमेंट के संस्थापक, डॉ. बाला की जीवनशैली और निवारक चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए फरीदाबाद नगर निगम की आयुक्त,

श्रीमती मोना श्रीनिवास आईएएस ने सराहना की।

इस मौके पर, एमसीएफ कमिश्नर ने मोटापे और कैंसर की रोकथाम के लिए मेडफिट इंडिया मूवमेंट द्वारा शुरू किए गए स्वास्थ्य अभियान के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और संस्थापक डॉ. बाला और सह-संस्थापक श्रीमती रजनी अग्रवाल को शुभकामनाएं दीं।

और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ जैसे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज/मधुमेह, मोटापा, कैंसर और पीसीओडी आदि रोगों की रोकथाम में सही खान-पान और

नियमित व्यायाम के महत्व को फैलाने के मुख्य उद्देश्य के साथ फरीदाबाद जिले के कोने-कोने में मोटापे की रोकथाम और कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता लाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर सार्थक चर्चा की।

एमसीएफ आयुक्त ने जनता को विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को खतरनाक

"मोटापा-कैंसर कनेक्शन" के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता के बारे में भी चर्चा की और बताया कि कैसे गलत जीवनशैली (गलत खान-पान और नियमित व्यायाम न करना) कैंसर की संख्या को बढ़ा रही है!

कावड़ यात्रा के दौरान फरीदाबाद पुलिस ने कावडियों की सुरक्षा के किये पुख्ता प्रबंध

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। कावड़ यात्रा की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने सभी डीसीपी, एसीपी एवं सभी थाना प्रबंधक के साथ मीटिंग कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कावड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त, यातायात उषा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। तीनों जोन के डीसीपी को अपने-अपने जोन का इंचार्ज नियुक्त किया है। सभी एसीपी और एसएचओ अपने अपने क्षेत्र में ड्यूटी लगाने के जिम्मेवार होंगे।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से कावड़ लाकर भगवान शिव की आराधना करते हैं। इसी क्रम में हजारों श्रद्धालु कावड़ लेकर फरीदाबाद से होकर पलवल, मेवात, यूपी, राजस्थान, मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अपनी यात्रा के लिए आसर होते हैं।

एयर फोर्स के 100 मीटर के दायरे में विकास कार्यो को मिली मंजूरी: विधायक नीरज शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। साल 2019 से फरीदाबाद के एनआईटी 86 विधायक नीरज शर्मा ने चिट्ठी लिखना शुरू किया। साल दर साल चिट्ठियां एयर फोर्स डबुआ के ग्रुप कमांडर से लेकर देश के रक्षा मंत्री और सांसद से लेकर मुख्यमंत्री तक को लिखी गयी। मामला था फरीदाबाद एयरफोर्स स्टेशन के 100 मीटर दायरे में रह रहे नागरिकों को उनका हक दिलाने का, मूलभूत समस्याओं से जूझ रही जनता को न्याय दिलाने का, बंद पड़े बिजली मीटरों को चालू करवाने का, रजिस्ट्रियां खुलवाने का, 100 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगो को इंसाफ दिलाने का।

एयरफोर्स स्टेशन के इस 100 मीटर दायरे में माननीय हाईकोर्ट ने अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाया था ताकि अवैध निर्माण न हो सके। कुछ अधिकारियों ने इस रोक का हवाला देते हुए इस क्षेत्र में रजिस्ट्रियों पर रोक लगवा दी, यहां सरकारी सुविधाएं पहुंचनी बंद हो गई, गंदगी और प्रदूषण से हालात बद से बदतर होने लगे, सरकारी रिपोर्ट में भी सामने आया कि प्रदूषण की वजह से यहां की हालात बदतर होती जा रही है, अपने जीवन की गाढ़ी कमाई से घर बनाकर रहने वाले यहां के वाशिंदों पर जैसे दुःख का पहाड़ टूट गया, ऐसा लगा जैसे सुनियोजित तरीके से इस क्षेत्र को विकास और मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित किया गया।यह मामला विधायक नीरज शर्मा तक पहुंचा। विधायक ने क्षेत्र का मुआयना किया, लोगों से बात की और नियम कानूनों को अच्छे समझकर लग गए युद्धस्तर पर इसे ठीक करने में।

शुरूआत हुई विधानसभा के बजट सत्र से, प्रश्नकाल के दौरान विधायक द्वारा एयर फोर्स स्टेशन के 100 मीटर दायरे पर भू.संपत्तियों की रजिस्ट्री पर लगे रोक का प्रश्न उठाया गया जिसके तहत विधायक नीरज शर्मा ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि माननीय न्यायलय द्वारा सिर्फ अवैध निर्माण पर हाई कोर्ट ने रोक लगाई हुई है।

2019 में विधायक नीरज शर्मा ने फरीदाबाद एयर फोर्स स्टेशन के तत्कालीन स्टेशन कमांडर को चिट्ठी लिखा कि सीपीसीबी ने इस क्षेत्र को प्रदूषण हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया है इसलिए जनहित को देखते हुए कम से कम इस 100 मीटर दायरे में रिपेयरिंग की अनुमति दी जाए, साल 2020 में देश के मौजूदा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी इस संदर्भ में विधायक नीरज शर्मा ने चिट्ठी लिखी और व्यक्तिगत मिलकर अवगत करवाया, साल 2021 में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्तीय आयुक्त राजस्व, हरियाणा तक को चिट्ठी लिखकर इस गंभीर समस्या से अवगत कराया।समय पर समस्या का निदान न होता देख विधायक नीरज शर्मा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलने का समय लिया और उनसे मिलकर इस समस्या को उनके साथ सांझा किया। क्षेत्र में समस्या से संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर बैठकें की और दबाव बनाए रखा क्योंकि लोग त्रस्त थे और देरी की गुंजाइश नहीं थी। सिर्फ 100 मीटर के दायरे और वहां के वाशिंदों की समस्याओं को अपनी समस्या मान विधायक ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। हर दरवाजा खटखटाया गया, सभी मुकम्मल जगहों पर बैठक की गई, राज्य से लेकर केंद्र सरकार में बैठे अधिकारियों और नेताओं से गुहार लगाई गई।अन्ततः संघर्ष विजयी हुआ, 100 मीटर दायरे में रह लोगों को न्याय मिला, जो वादा विधायक नीरज शर्मा ने वहां के लोगों से की थी उस वादे को पूरा कर दिखाया। बिजली मीटर के नए कनेक्शन चालू हुए, मोटेशन फिर से होने लगे, रजिस्ट्रियां खुल गईए विधायक के संघर्ष के कारण सरकारी हठ को टूटना पड़ा, सरकार को लोगों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचानी पड़ी।

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि एयरफोर्स रोड 100 मीटर के दायरे में रजिस्ट्री, म्यूटेशन, बिजली के नए मीटर से रोक पहले ही हट चुकी है और आज 100 मीटर में जो कार्य नहीं हो पाते थे उनसे रोक हट गई है।

यदि अच्छा जीवन जीना चाहते हो तो नशे से दूर रहें युवाः डॉ अशोक

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। मनुष्य के जीवन के लिए सबसे पहले स्वास्थ्य महत्व रखता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होगा तो उसे खाना पीना, घूमना और बढ़िया वस्त्र धारण करना अच्छा लगेगा और यदि स्वास्थ्य ही अच्छा नहीं होगा तो उसके सामने चाहे कितने भी पकवान क्यों न रख दो, पहनने के लिए सुन्दर वस्त्र रख दो उसको नहीं भाएंगे। मनुष्य के जीवन का यही मूल मंत्र है। कहा भी गया है प्रथम सुख निरोगी काया, दूजा सुख पास हो माया, तीजा सुख पत्नी हो पतिव्रता और चौथा सुख पुत्र हो आज्ञाकारी। ये शब्द हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा ने कहे। वे आज डीसी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 9 फरीदाबाद में पहुंचे हुए थे। विद्यालय की प्राचार्या ज्योति की अध्यक्षता में और शिक्षक हरी शंकर शर्मा की उपस्थिति में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दो अलग अलग सत्रों में आयोजित हुआ जिसमें 300 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षण और बस चालकों ने भाग लिया। ब्यूरो के उप निरीक्षक डॉ वर्मा ने आगे कहा कि हरियाणा राज्य को नशा मुक्त करना ही हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल का एकमात्र लक्ष्य है और यह लक्ष्य तब पूर्ण होगा जब प्रत्येक व्यक्ति नशा मुक्त अभियान में सहभागिता करेगा।

यह सहभागिता केवल अपने व्यवहार को परिवर्तित करके ही हो सकती है। कोई भी व्यक्ति नहीं चाहता कि लोग उसे नशेड़ी कहें लेकिन नशे का शौक उसे नशेड़ी बना देता है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो प्रमुख श्री ओपी सिंह साहब हरियाणा को नशा मुक्त करने के लिए बहुत संवेदनशील हैं। ब्यूरो की पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के कुशल मार्गदर्शन में युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी। तत्पश्चात वे साइकिल पर सवार होकर विभिन्न सेक्टरों, मुजेसर, बाटा चौक, नीलम चौक, ओल्ड फरीदाबाद, बड़कल में लोगों को नशे के दुष्परिणामों बारे जागरूक कर रहे थे। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891509 का प्रचार प्रसार करते हुए बताया कि यह यह पुरे हरियाणा के लिए एक ऐसा हेल्पलाइन नंबर हैं जिस पर निर्भीक होकर नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं दी जा सकती हैं।

एडिटर की कलम से....

पारदर्शिता से परहेज क्यों?

कांवड़ यात्रा के रास्ते पर खान-पान की सामग्री बेचने वाले सभी दुकानदारों को अपने और अपने कर्मचारियों के नाम बताने होंगे। उत्तर प्रदेश प्रशासन के इस आदेश को मुसलमान विरोधी बताया जा रहा है। ये तो चोर की दाढ़ी में तिनका वाली बात हो गई। जब प्रशासन ने किसी धर्म, समुदाय, जाति विशेष का नाम नहीं लिया, उसने सबके लिए आदेश जारी किया है तो फिर इससे मुसलमानों को नुकसान होगा, यह कैसे पता चला? बिल्कुल आसान जवाब है। ये सब जानते हैं कि मुसलमान किस हद तक अनैतिक और अमानवीय हरकतों में जुटे हैं। आए दिन पेशाब, थूक और पता नहीं किन-किन तरकीबों से अपवित्र करके खाने-पीने के सामान बेचने की इनकी घटिया हरकतों के वीडियोज सामने आते रहते हैं।

सतवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बढ़ रहा है गैर-मुस्लिमों से दुश्मनी का भाव

मुसलमान जहां हैं, वहां बस दो ही मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं। पहली- गैर-मुस्लिमों को जैसे भी हो सके, प्रताड़ित करो, उनका धर्म भ्रष्ट करो और दूसरी- तरह-तरह के जिहाद से उनका धर्म परिवर्तन करवाओ। अब तो लगातार मिल रहे प्रमाणों से यह साबित सा हो गया है कि मुसलमान न हिंदुओं के साथ सामंजस्य चाहते हैं और ना हिंदुस्तान को अपना मानते हैं। लेकिन उनकी मांग यह है कि हिंदू समावेशी विचारों से तनिक भी नहीं भटकें, धर्मनिरपेक्षता का दामन न छोड़ें। फिर पारदर्शिता से परहेज क्यों? किसकी दुकान है, यह बताने में क्या हर्ज? क्यों बात-बात में इस्लाम को खतरे में देखने वाला मुसलमान अपने होटलों, ढाबों के नाम हिंदू देवी-देवताओं पर रखेगा? उत्तर प्रदेश और कांवड़ यात्रा के मार्ग ही नहीं, पूरे देश में अगर कोई कुछ छिपाकर कारोबार कर रहा है तो क्या वह गुनाह नहीं है?

मुसलमानों और कथित मुस्लिम हितैषी राजनीति के ठेकेदारों के दोहरेपन की पराकाष्ठा देखें। जो आज हिंदुओं को कांवड़ यात्रा के अनुष्ठान में भी मुसलमानों के थूक, पेशाब वाली खाने-पीने की चीजें स्वीकार करने को कह रहे हैं, वही मुसलमानों की हलाल कॉस्मेटिक्स, हलाल दवाई और यहां तक कि हलाल होटल, हलाल यात्रा तक की तरफदारी करते हैं। मुख्तार अब्बास नकवी, जावेद अख्तर, असदुद्दीन ओवैसी, एसटी हसन समेत उन तमाम मुसलमानों की गैरत कैसे मर गई जब मुसलमानों ने हलाल इकॉनमी खड़ी कर ली? इनमें से किसकी हिम्मत है जो मुसलमानों से पूछ ले कि आखिर चौबीसों घंटे, हर जगह, हर चीज में हलाल, हलाल की रट लगाने की क्या जरूरत है? बल्कि उलटा ये हलाल के लिए मुसलमानों को उकसाएंगे, उनका साथ देंगे, हजार तरह के तर्क देंगे। लेकिन हिंदुओं को समावेशी होना चाहिए। हिंदुओं को तो मंदिरों में भी गंगाजल नहीं मुसलमानों का पेशाब पीकर जाना चाहिए। क्या ये यही चाहते हैं? इनमें है कोई माई का लाल जो दावा करे कि मुसलमान खाने-पीने के सामानों में थूक नहीं रहे, पेशाब नहीं कर रहे, उसे हर तरह से अपवित्र और गंदा नहीं कर रहे? है इनमें हिम्मत कि सोशल मीडिया और मुख्य धारा के मीडिया में आ रही थूक, पेशाब वाली खबरों और प्रमाण के रूप में पेश किए जा रहे वीडियोज को नकार दें?

अगर, यह सच है कि मुसलमान खाने-पीने के सामानों में थूक रहे हैं, पेशाब कर रहे हैं और यह बीमारी किसी एक इलाके की नहीं, देश के कोने-कोने में देखी जा रही है तो फिर कोई किस मुंह से कहता है कि दुकानदारों को नेम प्लेट लगाने का फरमान हिटलरशाही है। अगर यह हिटलरशाही है तो यही सही, लेकिन हिंदू थूक चाटकर और पेशाब पीकर समावेशी और धर्मनिरपेक्ष भावना का झंडाबरदार नहीं बना रह सकता। जो कोई भी यूपी प्रशासन के आदेश की निंदा कर रहा है, वो इस बात की चर्चा तक नहीं करता कि हां, कुछ मुसलमान अमानवीय हरकतें करते हैं। भला ये क्यों चर्चा करें? इन्हें जिहादी मानसिकता से क्या परेशानी? जिसे पेशाब पीना पड़े, थूका हुआ खाना पड़े, वो जानें। इन्हें तो बस लोकतंत्र, संविधान, धर्मनिरपेक्षता, समावेशिता, सहिष्णुता के नारों से जिहादियों का बचाव करना है, जिहाद की आंच तेज करनी है। दूसरी तरफ, धर्मगुरु के वेष में भी हिंदू हाय हुसैन के नारे के साथ अपने शरीर को जख्मी कर रहा है। एकता प्रदर्शित करने का इससे बड़ा और क्या प्रमाण चाहते हो?

दरअसल, ये लोकतंत्र, संविधान, मानवाधिकार, धर्मनिरपेक्षता आदि का इस्तेमाल सिर्फ और सिर्फ युद्ध के औजारों की तरह करते हैं। दुनिया के उस लोकतांत्रिक और समावेशी देश का नाम बता दें जहां मुसलमान पलायन करके गए और उस देश का कायाकल्प कर दिया। इसके उलट एक भी देश नहीं जहां पलायन कर गए मुसलमानों की ठीकठाक आबादी होते ही शांति बरकरार रह सकी। इंग्लैंड इसका जीता-जागता उदाहरण है। ये मुसलमान ही हैं जिन्होंने यूरोप के उन देशों की नाक में भी दम करने से परहेज नहीं किया जिन्होंने संकट के वक्त इनके लिए अपनी बाहें पसारीं। ये इतने पतित हैं कि जिन माहौल, जिन हालात से पीछा छुड़ाकर भागे, वही माहौल और हालात उन देशों में भी बना देते हैं जहां इन्होंने शरण ली हुई है। वो तो दूसरे देश हैं, यहां भारत में रहने वाले मुसलमान ही अक्सर ऐसा व्यवहार करते दिख जाते हैं कि मानो किसी दुश्मन देश को युद्ध में हराकर जीत का जश्न मना रहे हों। तिरंगे का अपमान करेंगे और फिलिस्तीनी झंडे को ऐसे लहराएंगे जैसे निजाम-ए-मुस्तफा का ऐलान कर रहे हों। भारत माता की जय कहने से इस्लाम संकट में आ जाता है और संसद में जय फिलिस्तीन का नारा काफी हर्षोल्लास से लेते हैं।

कहते हैं पढ़ाई से, जीवन स्तर ऊंचा होने से कट्टरता कम हो जाती है। लेकिन मुसलमानों पर यह फॉर्मूला भी काम नहीं आता है। बाकियों को छोड़ दीजिए जो शिक्षा की रोशनी बांटते हैं, वो मुसलमान कट्टरता के किस घुप्प अंधेरों से घिरे हैं इसका प्रमाण अभी-अभी दिल्ली में मिला है। यहां मुस्लिम शिक्षकों ने बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए डराया। जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में एक कर्मचारी का आरोप है कि मुस्लिम उनपर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहे हैं। मुसलमान चाहे आईएएस बन जाएं या यूएस चले जाएं, क्रिकेट खेल रहे हों या कोई फिल्म स्टार हो, पत्रकार हो या लेखक, जो जहां है जिहाद में लगा हुआ है। सबका तरीका अलग हो सकता है, लेकिन जिहाद में अपनी भागीदारी जरूर सुनिश्चित कर रहा है। कोई सीधा कत्ल करके तो कोई जिहादी संगठनों की फंडिंग करके, कोई टीवी चैनल पर बैठकर जिहादियों का बचाव करके तो कोई लेख लिखकर। ये बहुरूपिये जिहाद में या तो सीधे शामिल हैं या परोक्ष रूप से।

कंबोडिया में 3000 भारतीय बंधक, चीनी क्रिमिनल्स महिलाओं से करा रहे हनीट्रैप का धंधा

समाचार गेट/एजेंसी

हैदराबाद। चीनी साइबर अपराधी अच्छी नौकरी के झांसे में फंसे भारतीयों को गुलाम बनाकर गलत काम करवा रहे हैं। उनके चंगुल में फंसी महिलाओं से जबरदस्ती न्यूड कॉल करवाते हैं ताकि अनजान लोगों को हनी-ट्रैप किया जा सके। ये महिलाओं और भारतीय तस्करी के जरिए कंबोडिया ले जाए गए हैं। यह खुलासा तेलंगाना के निवासी आईटी प्रोफेशनल मुंशी प्रकाश ने किया है। प्रकाश खुद भी चीनी धोखाधड़ी का शिकार हो गए। सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक स्नातक करने वाले प्रकाश हैदराबाद में एक आईटी फर्म के साथ काम कर रहे थे। प्रकाश ने विदेश में नौकरी की तलाश में कई साइटों पर अपना प्रोफाइल साझा था। इसके बाद जो हुआ वह रोंगटे खड़े कर देने वाला था।

ऑस्ट्रेलिया में नौकरी का वादा

महबूबाबाद के बय्यारम मंडल के रहने वाले प्रकाश के अनुसार कंबोडिया से एक विजय नाम के एजेंट कॉल आया। उसने मुझे ऑस्ट्रेलिया में नौकरी की पेशकश की। इसके बाद उसने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले मुझे ट्रैवल हिस्ट्री दिखानी होगी। इसके लिए एजेंट ने मलेशिया के लिए टिकट दिए। प्रकाश ने बताया कि कुआलालंपुर से 12 मार्च को नोम पेन्ह ले जाया गया। विजय के एक लोकल बंदे ने इसके लिए 85,000 रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर लिए। प्रकाश के अनुसार इसके बाद चीनी नागरिकों ने उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया। इसके

बाद वे क्रोंग बावेट ले गए। यह टावरों वाला एक बड़ा परिसर है। मुझे अन्य भारतीयों के साथ टावर सी में रखा गया।

सात दिन अंधेरे कमरे में रखा

मुंशी प्रकाश ने बताया कि इसके बाद तेलुगु और अन्य भाषाओं में लड़कियों के नकली सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने के दस दिनों की ट्रेनिंग दी गई। प्रकाश के अनुसार चीनी नागरिकों ने एक सप्ताह तक एक अंधेरे कमरे में रखा और मुझे प्रताड़ित किया। जब मैं बीमार पड़ गया, तो उन्होंने मुझे बाहर निकाला लेकिन मुझे धोखाधड़ी जारी रखने के लिए मजबूर किया। प्रकाश ने बताया कि वह अपने दर्दनाक अनुभवों को बयान करते हुए एक सेल्फी वीडियो रिकार्ड करने में कामयाब रहे थे। इसे उन्होंने तमिलनाडु में अपनी बहन को एक ईमेल भेजा दिया था। जिसने अधिकारियों को सूचित किया।

कंबोडियाई पुलिस ने बचाया

इस वीडियो ने वहां भारतीय दूतावास और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सरकारों को उसे बचाने के लिए प्रेरित किया। प्रकाश को इससे पहले 16 अप्रैल को कंबोडियाई पुलिस ने तस्करों से बचाया था, लेकिन चीनी गिरोह द्वारा उस पर लगाए गए फर्जी आरोप में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने 12 दिन जेल में बिताए। प्रकाश ने कहा कि जब अधिकारियों को पता चला कि आरोप फर्जी है, तो मुझे 5 जुलाई को दिल्ली भेज दिया गया। उसके साथ नौ अन्य लोगों को भी बचाया गया।

मुंशी प्रकाश ने बताया कि वहां पर करीब 3,000 भारतीय हैं। जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। सभी कंबोडिया में फंसे हुए हैं। इनमें वे लड़कियां भी शामिल हैं जिन्हें अपने हिरासत शिविरों से न्यूड कॉल करने के लिए मजबूर किया जाता है।

क्रिप्टोकरेंसी में कमाई

चीनी नागरिकों की जाल से किसी तरह से बचकर निकले मुंशी प्रकाश ने कहा कि इस दौरान उसकी मुलाकात केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, मुंबई और दिल्ली के लोगों से हुई।

उन सभी को यह विश्वास दिलाकर धोखा दिया गया था कि उन्हें विदेश में नौकरी मिल जाएगी। चीनी गिरोह इन सभी को साइबर गुलाम बना लिया। मुंशी के अनुसार भारतीयों से जो भी कमाई होती है। उसे क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया जाता है। इसके बाद उसे अमेरिकी डॉलर और फिर अंत में चीनी युआन में बदल दिया जाता है।

आजाद भारत का पहला बजट, 200 करोड़ रुपये का भी नहीं था

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। कल जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी तो वह लगातार 7वीं बार बजट पेश कर इतिहास बना चुकी होंगी। वह लगातार सबसे ज्यादा बजट पेश करने के मामले में पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। वित्त मंत्री जब बजट पेश करेंगी तो वह लाखों करोड़ रुपये का बजट होगा। लेकिन देश का पहला बजट 200 करोड़ रुपये का भी नहीं था। यह नहीं अगर आपको लगता है कि बजट पेश करने का काम सिर्फ वित्त मंत्री का है तो आप गलत हैं। प्रधानमंत्री भी देश का बजट संसद में पेश कर चुके हैं। दरअसल, बजट से जुड़े ऐसे कई फैक्ट्स हैं जिनके बारे में आप जानकर आश्चर्य करेंगे देश का पहला बजट 26 सितंबर 1947 को पेश किया गया था। उस समय वह बजट देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुघम चेट्टी (प्ह रैंल्ले४ ऊँ३३८) ने पेश किया था। देश के विभाजन के कारण दंगे हुए थे। इन दंगों के बीच ही पहला केंद्रीय बजट पेश किया गया था। यह बजट महज करीब 7 महीने का था। इसके बाद अगला बजट 1 अप्रैल 1948 को पेश किया गया। देश का यह पहला बजट 197.1 करोड़ रुपये का था। इस साल 1 अप्रैल को जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया था, उस समय वह 47.65 करोड़ रुपये का था। कल जब बजट पेश किया जाएगा तो हो सकता है कि वह इससे और ज्यादा का हो पहले बजट शाम को 5 बजे पेश किया जाता था। साल 1999 में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसका समय बदला और सुबह 11 बजे किया। इसके बाद से अब तक बजट सुबह 11 बजे पेश किया जाता है ऐसा नहीं है कि बजट को सिर्फ वित्त मंत्री द्वारा ही पेश किया जाता है। कई बार ऐसा भी समय आया है जब प्रधानमंत्री को बजट पेश करना पड़ा। वित्त वर्ष 1958-59 के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बजट पेश किया था। इसके बाद वित्त वर्ष 1969-70 के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बजट पेश किया था पहले आम बजट के अतिरिक्त रेलवे के लिए भी बजट पेश किया जाता था। साल 2017 में मोदी सरकार ने इसे आम बजट में मिला दिया। अब रेलवे के लिए आम बजट में ही घोषणाएं की जाती हैं। यानी रेलवे के लिए अलग से बजट पेश नहीं किया जाता देश में अब तक 91 बार बजट पेश किया जा चुका है। इनमें 77 रेगुलर और 14 अंतरिम बजट शामिल हैं। कल 92वीं बार बजट पेश किया जाएगा। अभी तक सबसे ज्यादा बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई के नाम है। उन्होंने 10 बार बजट पेश किया है।

कांवडियों के लिए हरिद्वार तक चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

समाचार गेट/यश महलोनियां

नई दिल्ली। सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस दौरान हरिद्वार में कावड़ मेले की भी शुरूआत हो रही है। हर साल हजारों लाखों की संख्या में कांवड़ियां हरिद्वार पहुंचते हैं। इन दिनों में ट्रेनें फुल रहती है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ख्याल रखा गया है।

भारतीय रेलवे कांवड़ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने जा रही है। इसके अलावा अन्य चार ट्रेनों को हरिद्वार तक बढ़ा दिया गया है। जबकि 14 ट्रेनों को एक्स्ट्रा हॉल्ट दिया जा रहा है। यह ट्रेन 29 जुलाई से 2 अगस्त तक हरिद्वार के लिए चलेंगी। इन्हें दिल्ली और यूपी से संचालित करने की घोषणा की गई है कुछ ट्रेनें पुरानी दिल्ली से संचालित होंगी। यहां से हरिद्वार -पुरानी दिल्ली मेला स्पेशल 04324- 04325 चलाई जाएगी। यह ट्रेन 29 जुलाई से 2 अगस्त हरिद्वार से दोपहर पौने चार बजे रवाना होगी और रात 8:50 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में 29 जुलाई से 2 अगस्त तक पुरानी दिल्ली से रात 10 बजे रवाना होकर सुबह 4:25 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन ज्वालापुरी, रुड़की, सहारनपुर, मेरठ और गाजियाबाद रुकेगी यह स्पेशल ट्रेन 29 जुलाई से दो अगस्त तक ऋषिकेश से शुरू होगी। यह ट्रेन पकड़ने के लिए आपको रात 8 बजे से पहले हरिद्वार स्टेशन पहुंचना होगा। ट्रेन रात 8.35 बजे यहां से रवाना होगी और अगले दिन सुबह सवा चार बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में 29 जुलाई से दो अगस्त तक पुरानी दिल्ली से सुबह पौने पांच बजे चलकर 11 बजे ऋषिकेश पहुंच जाएगी। रायवाला, मोतीचूर, हरिद्वार, रुड़की , सहारनपुर, शामली और दिल्ली शाहदरा इसके स्टॉपिज होंगे पुरानी दिल्ली- शामली स्पेशल ट्रेन (04465/04466) अब हरिद्वार तक जाएगी। 21 जुलाई से 3 अगस्त तक यह ट्रेन पुरानी दिल्ली से रोज रात 8 बजे रवाना होगी और दोपहर 1-55 पर हरिदवार पहुंचेगी। वापसी में 22 जुलाई से 4 अगस्त तक हरिद्वार से सुबह 3 बजे चलकर 9:25 बजे दिल्ली पहुंचेगी। शामली के बाद थाना भवन, रामपुर मनिहारान, टपरी, रुड़की और ज्वालापुरी इसके स्टॉपिज होंगी।

यह ट्रेन पुरानी दिल्ली से 22 जुलाई से शुरू होकर 3 अगस्त तक चलेगी। जो दिल्ली से शाम 4 बजे चलकर रात 10:50 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 23 जुलाई से 4 अगस्त तक हरिद्वार से सुबह 2 बजे रवाना होगी और पौने नौ बजे पुरानी दिल्ली पहुंच जाएगी। सहारनपुर से हरिद्वार के बीच यह स्पेशल ट्रेन केवल रुड़की और ज्वालापुर रुकेगी।

हरिद्वार-पुरानी दिल्ली एक्सप्रेस (14306/14305), हरिद्वार-पुरानी दिल्ली एक्सप्रेस (14304/14303) और पुरानी दिल्ली-सहारनपुर स्पेशल (04599/04600) ट्रेन में एक्स्ट्रा कोच लगाए जाएंगे। वहीं 24 ट्रेनों में तीन खाली रैक रखने का भी फैसला किया गया है।

इनके अलावा लिंक एक्सप्रेस (14113-14), बरेली-दिल्ली स्पेशल (04303-04) उज्जियनी (14309-10), देहरादून-इंदौर (14317-18), ओखा एक्सप्रेस (19565-66), कोच्चिविली एक्सप्रेस(22659-60), हेमकुंड(14610-09), ट्रेन भी सावन के महीने में चलती रहेंगी।

एक महिला कंकाल जिसे हरियाणा के राखीगढ़ी में खोजा गया

समाचार गेट/एजेंसी

यह एक महिला कंकाल है, जिसे हरियाणा के राखीगढ़ी पर खोजा गया है। यह कम से कम 5000 वर्ष पुराना है। जिसका सिर उत्तर की ओर है, बायीं कलाई पर शंख की चूड़ियों की एक जोड़ी है, भारत के कुछ हिस्सों में हिंदू विवाहित महिलाओं द्वारा शंख की चूड़ियाँ पहनना आज भी जारी है। मैंने असम की आदिवासी, बंगाली और उड़िया महिलाओं को ये चूड़ियाँ पहनते देखा है। वे इन्हें शाखा कहती हैं और पोला (लाल मूंगा चूड़ियाँ) के संयोजन के साथ पहनती हैं।

झूठे और नॉन साइंटिफिक आर्य आक्रमण/प्रवासन सिद्धांत पर झटका है ये चूड़ियां। क्योंकि शाखा पोला पहनना और मृतक के पैर दक्षिण दिशा में ही रखना, आज भी हमारे जीवन पद्धति का हिस्सा है... हजारों सालों के बाद भी! और हां, यहां पाए गए मानव कंकालों के डीएनए विश्लेषण से साबित होता है कि वे स्वदेशी हैं, कोई बाहर से आए हुए लोग नहीं।

राखीगढ़ी स्थल पर खुदाई से एक सुनियोजित शहर की खोज हुई, जिसमें पक्की सड़कें, चौड़ी सड़कें, घरों से निकलने वाले सीवेज को संभालने के लिए ईंटों से बनी नालियां, बारिश के पानी के संग्रह के लिए भंडारण प्रणाली, सोने और आभूषण बनाने के लिए भट्ठी और बहुत कुछ था। ये लगभग 5000 वर्ष पुराने हैं। और हमें बताया जाता है कि हम सपेरों की भूमि हैं, कि मुगलों ने हमें अमीर बनाया, कि अंग्रेजों ने हमें सभ्य बनाया!

रोंगटे खड़े कर रही 'साइबर गुलामी' की ये दर्दनाक कहानी

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। किस्मत में लिखी रुसवाई तो खुदा को याद क्या करना, जहां बेदर्द हो हाकिम वहां फरियाद क्या करना... ज्यादा पैसा कमाने के लालच में विदेशों में नौकरी का सपना देखने वाले लोगों के लिए ये शायरी एकदम सटीक बैठती है। अगर आप भी किसी अनजान के झूठे वादों के दम पर भारत से बाहर अच्छी नौकरी के सपने देख रहे हैं तो सतर्क हो जाइए। वरना बेदर्द हाकिम आपकी खाल तब तक उधेड़ेगा जब तक आप मर ना जाएं और फरियाद की यहां कोई गुंजाइश नहीं है। दरअसल गोवा के दो युवक, जिनकी उम्र महज 26 और 25 साल है, वह ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में कंबोडिया में बुरी तरह फंस गए थे। उन्हें अच्छी नौकरी का झांसा देकर क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड में धकेल दिया गया था। इनमें से एक नौजवान दो महीने तक होटल में कैद रहा और फिर भागकर भारतीय दूतावास पहुंचा। दूसरे को 25 दिन तक साइबर गुलामी झेलनी पड़ी और 5 लाख रुपये देकर अपनी आजादी खरीदनी पड़ी। ये दोनों ही गोवा पुलिस द्वारा दर्ज की गई उस बड़ी जॉब स्कैम की जांच का हिस्सा हैं जिसमें 5000 से ज्यादा भारतीयों को कंबोडिया, म्यांमार, लाओस जैसे देशों में फंसाया गया है।

26 साल के युवक ने सीमेंट फैक्ट्री सुपरवाइजर की नौकरी छोड़ दी और ज्यादा कमाने के झांसे में आ गया। लीजा फर्नांडिस नाम की एजेंट ने उसे थाईलैंड में 700 डॉलर प्रति माह सैलरी वाली डेटा-एंट्री जॉब का झांसा दिया। फरवरी में वो अपने दोस्त के साथ थाईलैंड गया। वहां से उन्हें कंबोडिया ले जाया गया, जहां उन्हें बताया गया कि उन्हें क्रिप्टोकरेंसी ऐप के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाने होंगे। युवक ने बताया, 'मैंने कई बार इमारत से कूदकर जान देने की सोची। हर रोज रोता था ... नींद नहीं आती थी। यह जेल जैसा था।' उसे फर्जी सोशल मीडिया पहचान बनाने की ट्रेनिंग दी गई। उन्हें अच्छी दिखने वाली महिलाओं की तस्वीरें और कुछ इंस्टाग्राम प्रोफाइल दिए गए। उन्हें भारतीयों को टेलीग्राम और फेसबुक मैसेंजर पर चैट करके क्रिप्टोकरेंसी ऐप में निवेश करने के लिए लालच देने को कहा गया।

युवक ने बताया, 'नए लोगों को एक हफ्ते तक सीनियर्स के साथ काम करना पड़ता था ताकि उनकी चैटिंग स्किल्स में सुधार हो। चैट के दौरान, वे यह बताते थे कि कैसे एक ट्रेडिंग ऐप में निवेश करने से उनके पैसे दोगुने हो गए हैं, जिससे उन्हें उस दिन एक डिजाइनर बैग खरीदना संभव हुआ।' जैसे ही कोई टारगेट ऐप या इन्वेस्टमेंट फंड में निवेश करते थे, उन्हें ब्लॉक कर दिया जाता था।' युवक ने बताया, 'डेली टारगेट पूरा न करने पर सजा दी जाती थी, जिसमें अकेले कैद करना, पिटाई करना, घंटों पुश-अप्स या स्क्वैट्स करवाना और खाना देर से देना शामिल था।' युवक ने बताया, 'हमारी शिफ्ट के दौरान, कॉलिंग रूम को बाहर से बंद कर दिया जाता था। हम इमारत नहीं छोड़ सकते थे और सभी एग्जिट पॉइंट पर गार्ड तैनात रहते थे।'

दूसरा युवक, जो 25 साल का है, उसे मुंबई के एजेंट हाजी ने पोलैंड में 85,000 रुपये प्रति माह की सैलरी वाली नौकरी का झांसा दिया था। जब उसे एहसास हुआ कि उसे कंबोडिया में फ्रॉड करने के लिए लाया गया है, तो उसने एजेंट से शिकायत की। एजेंट ने उसे कहा कि उसे अपनी आजादी के लिए 5 लाख रुपये और देने होंगे। उसने कहा, 'अगले 25 दिन बहुत तकलीफदेह थे। हमें या तो फाइनेंशियल फ्रॉड करना पड़ता था या सजा भुगतनी पड़ती थी। मैंने इन एजेंट्स पर भरोसा करके गलती की। इन्होंने मजबूरी का फायदा उठाया।'

गोवा पुलिस ने इस मामले में कई रिक्रूटमेंट एजेंट्स के खिलाफ FIR दर्ज की है और दो एजेंट्स-नासिर अहमद तिगड़ी और मोहम्मद हाजी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि वे ऐसे और साइबर स्लेव्स को ढूंढने और इस अंतर्राष्ट्रीय जॉब स्कैम के नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच कर रहे हैं जो कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम तक फैला हुआ है।

जेपी ने 10 साल के शासन में रेवाड़ी में स्वास्थ्य व शिक्षण संस्थानों के विकास पर लगाया फुल स्टॉप : महाबीर मसानी

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता महावीर मसानी ने बीजेपी के ह्नॉन स्टॉप हरियाणा के नारे की परिभाषा बताते हुए इसे ह्फुल स्टॉप हरियाणा बताया है। साथ ही सुझाव दिया कि बीजेपी के लिए ही फुल स्टॉप हरियाणा का नारा फिट बैठता है, क्योंकि 10 साल के राज में बीजेपी ने प्रदेश में निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, खिलाड़ियों के सम्मान, फसलों के दाम, शिक्षा व स्वास्थ्य तंत्र विस्तार पर फुल स्टॉप लगाने का काम किया है। बीजेपी सरकार में अगर कुछ नॉन स्टॉप है तो वो अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई, नशा और युवाओं का पलायन के मामले में है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश में एक स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, 6 मेडिकल कॉलेज, एम्स और कैंसर इंस्टिट्यूट जैसे बड़े संस्थान बने। साथ ही 641 नए ग्रामीण अस्पताल सीएचसी और पीएचसी बने। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे इस कार्य पर फुल स्टॉप लगा दिया और प्रदेश में कोई भी बड़ा स्वास्थ्य संस्थान नहीं बनाया।शिक्षा के क्षेत्र में कांग्रेस ने 12 नए सरकारी विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, 154 पॉलिटेक्निक कॉलेज, 56 आईटीआई, 4 इंजीनियरिंग कॉलेज, राजीव गांधी एजुकेशन सिटी, बाबासाहेब अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी और लगभग ढाई हजार सरकारी स्कूल बनाए। इसी तरह कांग्रेस सरकार के दौरान हरियाणा में ट्रिपल आईटी, आईआईएम, आईएचएम, आईआईटी एक्सटेंशन, एम्स, एनआईडी, एनआईएफटी, एफडीडीआई, निफ्टम, आईईसीए, एनसीआई, टूल रूम, जीसीएनईपी, सीआईपीईटी जैसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थान हरियाणा में आए। लेकिन बीजेपी ने 2014 में सत्ता संभालते ही प्रदेश में विस्तार ले रहे शिक्षा तंत्र पर भी फुल स्टॉप लगा दिया और 5000 स्कूलों

को बंद कर दिया। महावीर मसानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान सिर्फ शिक्षा विभाग में एक लाख से ज्यादा और तमाम सरकारी विभागों में 2 लाख से ज्यादा नौकरियां दी गईं। लेकिन बीजेपी ने कौशल निगम और अग्निवीर जैसी योजनाएं लागू करके प्रदेश की पक्की नौकरियों पर भी फुल स्टॉप लगा दिया। आज हरियाणा में 2 लाख से ज्यादा पक्के पद खाली पड़े हुए हैं।उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश में 6 नई आईएमटी बनी और मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, रिलायंस, होंडा, आईओसी, पैनासोनिक, योकोहामा व डेंसो जैसे बड़े उद्योग प्रदेश में स्थापित हुए। लेकिन बीजेपी ने प्रदेश के इस औद्योगिक विकास पर भी फुल स्टॉप लगा दिया और वहां से उद्योग पलायन करने लगे।बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कांग्रेस ने 5 पावर प्लांट (4 थर्मल और एक न्यूक्लियर प्लांट) स्थापित किए। लेकिन बीजेपी ने बिजली उत्पादन में लगातार आगे बढ़ रहे हरियाणा की रफ्तार पर भी अपना फुल स्टॉप लगा दिया और 10 साल के कार्यकाल में एक यूनिट बिजली उत्पादन नहीं किया।

मसानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 81 किलोमीटर मेट्रो लाइन हरियाणा में आई और लगभग 250 किलोमीटर नई रेलवे लाइन बनी व मंजूर हुई। मेट्रो और रेलवे लाइन लगातार प्रदेश में तेजी से विस्तार ले रही थी। लेकिन बीजेपी को ने इसके ऊपर भी फुल स्टॉप लगा डाला और 10 साल में एक इंच भी मेट्रो या रेलवे लाइन आगे नहीं बढ़ाई।इसी तरह बीजेपी ने कांग्रेस द्वारा शुरू की गई गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को सौ-सौ गज के लिए मुफ्त प्लाट आवंटन की सबसे कल्याणकारी योजना पर भी फुल स्टॉप लगाया है। क्रीमी लेयर की लिमिट को 8 से घटकर 6 लाख करके इस सरकार ने ओबीसी आरक्षण पर, कांग्रेस की ह्पदक लाओ, पद पाओह् नीति व नौकरियों में खिलाड़ियों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण को बंद करके बीजेपी ने खिलाड़ियों के भविष्य पर भी फुल स्टॉप लगाया है। यहां तक कि फैमिली आईडी के जरिए गरीबों के राशन, बुजुर्गों की पेंशन, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल के जरिए किसानों की एमएसपी और प्रदेश को बदमाशों व गैंगस्टरों की शरणस्थली बनकर बीजेपी ने आम आदमी की जिंदगी पर भी फुल स्टॉप लगाने का काम किया है।

विकसित भारत बनने की दिशा में मोदी 3.0 का पहला व प्रभावी बजट: वन्दना पोपली

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की मीडिया सहप्रभारी वंदना पोपली ने मोदी 3.0 के पहले बजट को विकसित भारत बनने की श्रेणी में बढ़ता हुआ कदम बताया व कहा कि भारत की मुद्रा स्थिति कम और स्थिर बनी हुई है व चार परसेंट के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वन्दना पोपली ने बताया की जहां चार अलग-अलग जातियां गरीब, महिला, युवा और किसान पर ध्यान केंद्रित किया गया है वहीं मध्यम वर्ग को भी फायदा पहुंचाते हुए सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया है। 0 से 3 लाख तक कोई भी टैक्स नहीं रखा है। इस बार के बजट में 9 प्राथमिकताएं तय की गई है। जिनमें कृषि उत्पादन बढ़ाने पर जोर, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर इनोवेशन और

रिसर्च डेवलपमेंट और अगली पीढ़ी के सुधार की 9 बड़ी प्राथमिकताओं को तय किया गया है।सरकार ने घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। सरकार ने बेरोजगारी की समस्या को खत्म करने की दिशा मे सबसे महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए 500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को एक साल की इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू करेगी। जिसमें 5000 प्रति माह इंटर्नशिप भत्ता और 6000 की एकमुश्त सहायता दी जाएगी ।सरकार रोजगार के लिए तीन नई योजनाओं को लागू करेगी।बजट में एनपीएस वात्सल्य योजना का प्रावधान दिया गया है ।वन्दना पोपली ने बताया कि केंद्रीय सरकार का घाटा तेजी से कम हो रहा है व राजकोषीय घाटे को 4.9 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। पोपली ने बताया जिस तरह से हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे विश्व में अपनी क्षमता व कार्यकुशलता से भारत का डंका बजाया है उसको ध्यान में रखते हुए अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को और मजबूती देने व इसकी क्षमता को 5 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। मोबाइल फोन व चार्जर पर 15प्रतिशत सीमा शुल्क घटाया गया है।सोना चांदी पर कस्टम ड्यूटी 10 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत यानी 40 परसेंट तक कम की गई है। एक्स-रे मशीन कस्टम ड्यूटी से फ्री की गई है। कैंसर की तीन दवाई कस्टम फ्री की गई है। लिथियम बैटरी को सस्ता करने का प्रावधान किया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाने का प्रावधान किया गया है। जिससे महिलाएं वर्कफोर्स को ज्वाइन करेंगी और काम करने के लिए प्रोत्साहित होंगी।वंदना पोपली ने मोदी 3.0 के पहले बजट की जमकर सराहना करते हुए मोदी सरकार का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

मिष्ठान भंडार संचालक स्वच्छता तथा गुणवत्ता को बनाएं रखें

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। त्यौहारी सीजन को देखते हुये मिष्ठान भंडार संचालक खाद्य वस्तुओं एवं मिठाई की गुणवत्ता को बनाये रखें। मिलावट की सूचना मिलने पर छापेमारी की जाएगी। एसडीएम सुरेंद्र सिंह ने कहा कि मिष्ठान भंडार संचालाक मिठाई सहित अन्य खाद्य पदार्थों की साफ-सफाई व गुणवत्ता में कमी न आने दें। उनके द्वारा तैयार की गई मिठाई एवं अन्य खाद्य वस्तुओं पर पैकिंग व इस्तेमाल करने की अवधि तिथि भी अंकित करें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से समझौता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मिलावटी मिठाई तैयार कर बेचने की शिकायत मिलने पर सैंपल लेकर कार्रवाई करने को कहा। हरियाली तीज का त्यौहार के नजदीक आने पर बाजार घेवर से गुलजार हो जाते हैं। कनीना नगर में करीब दर्जनभर बड़े मिष्ठान भंडार हैं। जिन्हें गुणवत्तापरक मिठाई तैयार कर बेचने के निर्देश दिये गये। एसडीएम ने दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान व आसपास सडक को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए हैं।

पापा के झगडे से परेशान होकर मम्मी हुई लापता

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सिटी थाना अंतर्गत एक गांव से महिला लापता हो गई। इस बारे में सुमन कुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनकी मम्मी-पापा के बीच झगडा हो गया था। जिससे परेशान होकर उनकी मम्मी घर से निकल गई। उन्होंने अपने स्तर पर खोजबीन भी की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने बीएनएस की धारा 127-6 के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मोदी सरकार का बजट दिशाहीन व निराशाजनक : नीलम अग्रवाल

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री नीलम अग्रवाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा आज वित्त वर्ष 2024-25 के बजट को दिशाहीन और निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि हम सब को उम्मीद थी कि बजट में आम जनता से जुड़ी समस्या को ले कर बजट पेश किया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ ।

आम जानता को उम्मीद थी कि महगाई को कम करने के लिए बजट में कोई प्रावधान होगा। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी विषय पर भी निराशा बनी रही। रोजगार का वादा भी खोखला रहा बजट में इस बजट में गरीब, मजदूर, किसान, के लिए परेशानी को न्योता दिया गया है । गरीब और गरीब कैसे बने ये वो बजट पेश किया गया है। एनडीए सरकार का कोई विजन नहीं है। सिर्फ जानता के साथ छल करना है।

बाघेश्वर धाम बागोत में एकादशी से शुरू होगा कांवड मेला

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

हरियाणा भर में प्रसिद्ध कनीना-दादरी मार्ग तथा एनएच 152डी के समीप कनीना सब डिवीजन के गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम में सावन माह की त्रयोदशी के दिन शुक्रवार,2 अगस्त को भले ही मुख्य मेले का आयोजन होगा लेकिन कांवड अर्पित करने का सिलसिला एकदशी,31 जुलाई से शुरू हो जायेगा। शिवभक्त बम-बम के जयकारों के बीच प्राकृतिक स्वंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगें। इस मेले में दूर-दराज से शिविभक्त यहां आते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से ड्यूटी मैजिस्ट्रेट सहित पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है। मंदिर के महंत रोशनपुरी व महिपाल नम्बरदार ने बताया कि मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं।

बाघ के बछडी पर प्रहार से बना बाघेश्वर

नागेंद्र शास्त्री ने एक किवंदती के माध्यम से बताया कि ऋषि पिप्लाद ने यहां पर तपस्या की थी। राजा दिलीप को कोई संतान नहीं थी। जिससे वे दुखी रहते थे, और दुख के निवारण

के लिए अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास गए और अपना दुखद वृतांत सुनाया। गुरु वशिष्ठ ने पिप्लाद ऋषि के आश्रम में नंदिनी नामक गाय व कपिला बछडी को उपवास रखकर जंगल में चराने,भोजन कराने को कहा। अब राजा दिलीप प्रतिदिन उपवास रखकर उन्हें चराने जंगल में जाते। एक दिन शंकर भगवान ने राजा की परीक्षा लेने के मकसद से बाघ का स्वरूप धारण कर बछडी पर धावा बोल दिया। राजा की नजर जब बाघ पर पड़ी तो हाथ जोडकर प्रार्थना करते हुए कहा कि वे गाय-बछडी को छोडकर उन्हें अपना भक्ष्य बना लें। उनका मानना था के बछडी को खाने देते तो उन पर गाय का श्राप लगता और गाय को खायेगा तो उनकी तपस्या पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा कहकर उन्हें अपने आप को बाघ के सामने पटक दिया। कुछ समय बाद कोई हरकत नहीं होने पर उन्होंने सिर उठाकर देखा तो उनके सामने बाघ के स्थान पर भोले शंकर खड़े थे। इस किवंदती के बाद इस स्थान का नाम बाघेश्वर धाम पड़ा।

प्राकृतिक शिवलिंग की महिमा

यहां पर प्राकृतिक स्वंभू शिवलिंग है। जिनकी महिमा निराली है। उस दौरान अनजाने में गांव की महिलाएं खेतों में जाते समय शिवलिंग को पत्थर समझकर घास खुदाई करने वाले लोहे के उपकरण,खुर्पे को घिसकर धार देती थी। इस शिवलिंग को झज्जर के नवाब फकरुद्दीन ने अपनी सेना को उखाड का आदेश दिया था। लेकिन सेना इसे उखाडे में असफल रही। खुदाई के दौरान वहां पर काले सर्प व जहरीले जानवर निकले। जिससे सैनिक कार्य छोडकर भाग खडे हुये थे। राजा ने यहां पर पशु मेला आयोजित करने का हुक्म दिया। जब पशु मेला लगा था तो भयकंर ओलावृष्टि हुई ओर अनेकों पशु बे-मौत मारे गए। उसके बाद राजा ने गंगा जल लेकर जलाभिषेक करते हुए पुनः मेले की शुरूआत की। उसके बाद से यहां पर कांवड़ मेला आयोजित किया जाने लगा। शिवभक्त प्रतिवर्ष सावन माह में आयोजित होने वाले मेले में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं।

केतकी के फूल को मिला श्रॉप

एक बार ब्रह्माजी व विष्णुजी में विवाद छिड़ गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। ब्रह्माजी सृष्टि के रचियता होने के कारण श्रेष्ठ होने का दावा करत रहे वहीं भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ बता रहे थे। तभी वहां पर एक शिवलिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं में सहमति से फैसला हुआ कि जो भी इस शिवलिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग का छोर ढूंढने लगे। छोर न मिलने के कारण विष्णु जी लौट आए लेकिन ब्रह्माजी भी सफल नहीं हुए। परंतु उन्होंने विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पंहुच गए हैं। उन्होंने केतकी के फूल को इस बारे में साक्षी बताया। ब्रह्माजी के असत्य कहने पर वहां स्वयं शिव भगवान प्रकट हुए ओर उन्होंने ब्रह्माजी का एक सिर काट दिया ओर केतकी के फूल को पूजा से वंचित रहने का श्राप दिया। इस घटना के बाद पूजा में केतकी के फू लों का इस्तेमाल नहीं होता और ना ही ब्रह्माजी की पूजा की जाती।

आम बजट से बेरोजगार व्यापारी किसान निराश: फरटिया

आम जानता को उम्मीद थी कि महगाई को कम करने के लिए बजट में कोई प्रावधान होगा

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। कांग्रेस वरिष्ठ नेता समाजसेवी राजबीर फरटिया ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के बजट को दिशाहीन और निराशाजनक बताया । फरटिया ने कहा कि उम्मीद थी कि बजट में आम जनता से जुड़ी समस्या को ले कर बजट पेश किया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ । बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी विषय पर भी निराशा बनी रही। रोजगार का वादा भी खोखला रहा।

बजट में गरीब, मजदूर, किसान, के लिए भी कुछ नही किया। गरीब और गरीब कैसे बने ये वो बजट पेश किया गया है। एनडीए सरकार का कोई विजन नहीं है। सिर्फ जानता के साथ छल करना है।

पर्यावरण संरक्षण व संतुलन में पेड़-पौधों का अहम रोल: अनंत प्रकाश पांडे

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंगलवार को 15वां वन महोत्सव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गढ़ी बोलनी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक गुरुग्राम अनंत प्रकाश पांडे मुख्य अतिथि रहे तथा पौधारोपण कर समारोह का आगाज किया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत ग्राम पंचायत बोलनी में 1500 पौधे लगाए गए।

अतिरिक्त प्रधान अनंत प्रकाश पांडे ने कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी का श्रृंगार है।

पर्यावरण संरक्षण व संतुलन में पेड़-पौधो का अहम रोल है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन विशेषकर युवा पर्यावरण के महत्व को समझें और अधिक से अधिक पौधे लगाएं। उन्होंने पौधारोपण को पर्यावरण व मानव जीवन के लिए अनिवार्य बताते हुए कहा कि पौधारोपण हम सब की सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी है। सभी अधिक से अधिक पौधारोपण करें तथा अपने परिजनों व दोस्तों को इसके लिए प्रेरित करें।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार की मुहिम से प्रेरणा लेकर हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना से मनाया जाएगा देश की आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवसः डीसी

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। डीसी राहुल हुड्डा ने रेवाड़ी जिला मुख्यालय स्थित राव तुलाराम स्टेडियम परिसर में 15 अगस्त को मनाए जाने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य व गरिमामयी ढंग से देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ मनाने के लिए मंगलवार को जिला सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश के राष्ट्रीय पर्व में गरिमामयी उत्कृष्ट व बेहतरीन कार्यक्रमों का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत होने के साथ-साथ प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हों। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस समारोह

के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं समन्वय से पूर्ण करते हुए स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए पूरी की जाएं। रेवाड़ी जिला मुख्यालय सहित उपमंडल कोसली व बावल में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामयी व भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

डीसी ने संबंधित विभागों के निर्देश दिए कि वे मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों की तैयारियों पर विशेष ध्यान दें ताकि दर्शक समारोह के दौरान मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकें। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल की साफ-सफाई, सौंदर्यकरण, साज-सज्जा, स्वागत गेट, आसपास की सड़कों की मरम्मत, स्टेज प्रबंधन, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर सराहनीय कार्य करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा, जिसके लिए अधिकारियों व कर्मचारियों के नॉमिनेशन 9 अगस्त को सायं 5 बजे तक आमंत्रित किए गए हैं। दिवस समारोह से संबंधित अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति समारोह के सफल आयोजन में सभी अधिकारीगण अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करें।

बैठक में एसडीएम बावल मनोज कुमार, एसडीएम कोसली उदय सिंह, सीटीएम लोकेश कुमार, डीआरओ राकेश कुमार, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, प्रवक्ता डा. ज्योत्सना यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

एस एन झुग्गी झोपड़ी केंद्र ने 100 बच्चों को बांटी यूनिफॉर्म

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। एस एन झुग्गी झोपड़ी संस्कार केंद्र ने सोमवार को रेजांगला पार्क में विशेष कार्यक्रम के तहत झुग्गी झोपड़ी के 100 बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म बांटी गई। इस पहल का उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद प्रवासी मजदूरों के बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना, उनके जीवन में खुशियां भरना और उनको अच्छे संस्कार व नैतिकता लाना है, ताकि वे यहां अच्छे संस्कार एवं प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करके सरकारी स्कूल में प्रवेश लेकर अच्छी शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। हमारे मुख्य अतिथि अनिल रायपुर ने एक बड़ी राशि दान करके इस संस्था का हौसला बढ़ाया तथा अपने संबोधन में कहा कि इस संस्था को इन बच्चों की शिक्षा के लिए किसी भी संसाधन की जरूरत हो तो मैं एवं मेरे मित्र हमेशा आपका साथ देंगे। हमें इस दबे कुचले समाज के बच्चों की बेहतरी में काम करना है जिससे हमारा देश विकसित हो पाएगा। उन्होंने समाज की कुछ हस्तियां जो दान देकर इस धर्मार्थ पहल को आगे बढ़ाती हैं। मनीष अरोड़ा प्रधान रोटरी क्लब ऑफ ऑफ रेवाड़ी मेन, राम कृष्ण गुप्ता प्रधान हिंदू हाई स्कूल, राकेश समा उद्योगपति, डॉ नरेंद्र सिंह यादव डाक्टर तारा सक्सेना के प्रतिनिधि एवं प्रवीण कुमार, डॉ नवीन पिपलानी को मंच पर सम्मानित किया। संस्था ने उनका आभार प्रकट किया। अतिथियों के साथ आए छत्रपाल सिंह, धर्म सिंह सरपंच, समुंदर सिंह सरपंच एवं अन्य सदस्यों ने संस्था को आर्थिक योगदान दिया।सम्मानित अतिथि मनीष अरोड़ा ने कहा कि नरेंद्र गुगनानी हमारे समाज के बच्चों के लिए जो काम कर रहे हैं उस पर रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन के सदस्यों को गर्व है कि वह हमारे क्लब से संबंधित है।केंद्र के संस्थापक नरेंद्र गुगनानी ने कहा, "हमारा उद्देश्य सिर्फ यूनिफॉर्म बांटना ही नहीं है, बल्कि इन बच्चों के जीवन में शिक्षा के प्रति लगन लगाकर फिर इनको सरकारी स्कूल में भेजना है तथा कहा कि यहां इनको प्रतिदिन भोजन भी मिलता है।

बच्चों व उनके परिजनों ने इस पहल का तहे दिल से स्वागत किया और आभार जताया। कई बच्चे नई वर्दी पहनकर खुशी से नाचने लगे और कहा कि उन्हें इतनी सुंदर वर्दी मिली है

अब रोजाना सेंटर पर आएंगे। हरीश मलिक प्रधान नवप्रेरणा एवं प्रेमनाथ गेरा प्रधान रेवाड़ी व्यापार प्रकोष्ठ ने अपने संदेश में कहा कि एस एन झुग्गी झोपड़ी संस्कार केंद्र की इस पहल ने न केवल बच्चों के जीवन में खुशियां लायी बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया। समाज के विभिन्न वर्गों से आए भारत विकास परिषद से रमेश सचदेवा, अनिल अत्री, निष्ठ गुगनानी, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, कैप्टन वीर सिंह यादव, नरेश अरनेजा, सुभाष अरोड़ा, कांता आर्य, मलेश्वरी देवी, योग गुरु राजेंद्र यादव, महेश साइकिलिस्ट, रमेश अरोड़ा, सुनील मिगलानी नितेश, मास्टर राघव गुगनानी ने इस प्रयास की सराहना की और अनुकूल दान देकर इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया।

निशा, उमा शंकर ध्रुवी व पूनम ने अतिथियों के मनोरंजन के लिए अपनी नृत्य प्रस्तुति दी। केंद्र की अध्यापिकाओं नीलम गुप्ता, शालू वर्षा अरोड़ा, वंदना गुप्ता, डॉली पाल तथा आरती ने कहा की कॉलेज द्वारा सौंपे गए समाज सेवा कार्य के अनुसार प्रशिक्षु छात्रों चित्रेश गुप्ता, युग सिक्का, युग भटनागर, रिया कौशिक, आरवी सैनी, हिमांशी यादव के अनथक प्रयासों से कार्यक्रम को चार चांद लग गए उनके द्वारा किए गए सभी प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं क्योंकि वे सभी मंच पर हमारे अतिथियों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते रहे। डॉ. पीयूष गुप्ता रुद्राक्ष डेंटल क्लिनिक ने अपनी टीम के साथ इन बच्चों के लिए एक मुफ्त दंत जांच शिविर लगाने का आश्वासन दिया।

विकसित भारत के लिए इन्फ्रा पर जोर, आम आदमी को महंगाई से राहत और बेरोजगारी से निपटने के लिए घोषणाएं संभव

नईदिल्ली, एजेंसी। मोदी 3.0 का पहला बजट इंटरवल के बाद की वह पिक्चर साबित हो सकती है, जिसकी पटकथा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के इर्द-गिर्द लिखी जा सकती है। इस लक्ष्य को पाने के लिए राजकोषीय मोर्चे पर मुस्तैदी के बावजूद सरकार बुनियादी ढांचे (इन्फ्रा) पर खर्च जारी रखेगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे बेरोजगारी, मध्य वर्ग की कमाई, ग्रामीण खपत और निजी निवेश जैसी कई समस्याओं का एकसाथ समाधान संभव है।

5.1 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेगी सरकार

अर्थशास्त्री डॉ. शरद कोहली का कहना है कि सरकार 5.1 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेगी। कोशिश रहेगी कि इसे पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। इसके बावजूद

बेरोजगारी के लिहाज से बुनियादी ढांचे पर खर्च जारी रहेगा। उनका मानना है कि अगर राजकोषीय घाटे को थोड़ा अनदेखा कर सरकार कोई ऐसी योजना लाती हैं, जिससे बेरोजगारी का जल्द निस्तारण हो जाए तो कोई हर्ज नहीं है, क्योंकि कर संग्रह के मोर्चे पर स्थिति अच्छी है। अप्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर सरकार को जीएसटी से हर महीने औसतन 1.75 लाख करोड़ रुपये की कमाई हो रही है। जहां तक मध्य वर्ग की बात है, तो इस चुनाव ने मोदी सरकार को आभास कराया है कि यह तबका थोड़ा नाखुश है। राजनीतिक कारकों के अलावा इसकी अन्य वजहें भी हैं, जिनमें महंगाई के कारण किचन का बजट बिगड़ना, बचत कम होना, देनदारियां बढ़ना और नौकरियों का संकट शामिल हैं। ऐसे में मध्य वर्ग को साधने के लिए वित्त मंत्री अप्रत्यक्ष रूप से थोड़ी रियायत दे सकती हैं। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में कुछ बदलाव व सुधार की संभावना है। पेंशन योजनाओं के मामले में भी राहत मिल सकती है क्योंकि इस पर राज्यों के स्तर पर काफी चर्चा हुई है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उनमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

बेहतर कीमत दिलाने के लिए दूर करनी होंगी एमएसपी की खामियां

महंगाई गरीबी के लिहाज से संवेदनशील मुद्दा

सरकार राजकोषीय बोझ घटाने और किसानों को उनकी फसलों की बेहतर कीमत दिलाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को नए तरीके से पेश कर सकती है। साथ ही, किसानों की आय बढ़ाने के लिए खरीद में निजी कंपनियों को भी शामिल करने का प्रावधान हो सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा एमएसपी प्रणाली में कई खामियां हैं। इस पर जो भी राजनीतिकरण हो रहा है, उसका विकल्प तलाशने की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा एमएसपी नीतियां व्यापार और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करती हैं।

आजीविका क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने पर जोर

सरकार आजीविका क्रेडिट कार्ड (एलसीसी) लॉन्च करने के साथ कृषि से संबंधित क्षेत्रों के लिए एक व्यापक ऋण गारंटी कोष बनाने की घोषणा कर सकती है। इससे छोटे व सीमांत किसानों की वित्तीय जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी।

महंगाई गरीबी के लिहाज से संवेदनशील मुद्दा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन जीवाईएएन की घोषणा पहले की है, वे हैं...गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी। इन चारों पर बजट में जरूर चर्चा होगी। बेरोजगारी के अलावा महंगाई भी इन चारों से सीधे तौर पर जुड़ी है, क्योंकि आम आदमी के किचन का बजट बिगड़ चुका है। इसके अलावा, विशेष रूप से उच्च खाद्य महंगाई ने सरकार और आरबीआई की चिंता बढ़ा दी है। सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल के कारण लगातार तीन महीने तक नरम रहने के बाद खुदरा महंगाई जून में बढ़कर चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। थोक महंगाई भी 16 माह में सबसे ज्यादा रही। इससे परिवारों के बचत पर भी असर पड़ा है। आम आदमी के बजट के अलावा गरीबी के लिहाज से भी महंगाई काफी संवेदनशील मुद्दा है। सरकार का दावा है कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी सूचकांक से बाहर आए हैं। डॉ. कोहली का कहना है कि ये लोग अब लोअर मिडिल क्लास में आ गए हैं। अगर उन पर महंगाई की थोड़ी भी मार पड़ी तो वे दोबारा गरीबी रेखा से नीचे जा सकते हैं। इसलिए, सरकार को इस बजट में कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे, ताकि ये 25 करोड़ लोग गलती से दोबारा उसी स्थिति में न पहुंच जाएं।

इस सप्ताह आएंगे 16 नए शेयर, हेल्थ केयर और टेक सेक्टर की कंपनियों में लगेगा बड़ा दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। इस स्पताह 16 नई कंपनियां शेयर मार्केट में लिस्ट होंगी जिससे लोगों को शुरूआती दौर में ही निवेश का मौका मिलेगा. सप्ताह के शुरूआत में एसएमई (छोटी, मझली कंपनिया) सेक्टर की 8 कंपनियों के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। इन कंपनिया का मार्केट से 809 करोड़ रुपए जुटाने का अनुमान है। निवेशकों को इनमें कम से कम 13,500 रुपए निवेश करना होगा। इसके साथ ही शेयर बाजार में 8 नई कंपनियां लिस्ट होंगी।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस साल भारतीय शेयर बाजार में जो नए शेयर लिस्ट हुए, उन्होंने औसतन 57ब का रिटर्न दिया है। वहीं, पूरे ऐशिया प्रशांत में नए शेयरों ने 32ब का रिटर्न दिया है। 2024 में आए नए आईपीओ 12 गुना अधिक सब्सक्राइब हुए क्योंकि रिटेल निवेशक इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

इन शेयरों की होगी लिस्टिंग

इस सप्ताह सोमवार को श्री एम पेपर बोर्ड, प्राइजर विजटेक, एविया कमो और सिटी पॉली प्लास्ट शेयर मार्केट में लिस्ट होंगी। वहीं, मंगलवार को टुनवाला ई-मोटरास और बुधवार को मैकॉब्स टेक्नो और कटारिया इंडस्ट्रीज लिस्ट होंगी। शुक्रवार को आखिरी कारोबारी दिन में सैनस्टार का खाता खुलेगा। 8 में से 4 आईपीओ के लिए 2 लाख से ज्यादा का निवेश करना होगा।

कंज्यूमर, टेक और हेल्थ केयर में ज्यादा आईपीओ

मिड-मार्केट इनवेस्टमेंट बैंक पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स ने कहा है कि बेहतर मार्केट सेंटिमेंट और मोटे तौर पर शेयर बाजार में तेजी स्थिर माहोल से कंपनिया आईपीओ लाने के लिए प्रेरित हो रही हैं। 2024 की पहली छमाही में कई कंपनियों की सफल लिस्टिंग के चलते नई कंपनियों की हिम्मत बढ़ी और इसके चलते लिस्टिंग में तेजी जारी रह सकती है। मार्केट में कंज्यूमर, हेल्थ केयर और टेक सेक्टर की कंपनिया आईपीओ लाने में सबसे आगे हैं।

अगले 6 महीने में आएंगे 92,000 करोड़

आब तक भारतीय बाजार में आई 36 बड़ी कंपनियों ने रिटेल निवेशकों से 92,000 करोड़ रुपए जुटाए है। इस दौरान केवल आईपीओ ने करीब 32,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। अगले छह माहीनों में हुंडई इंडिया, विशाल मेगामार्ट समेंत 15 बड़ी कंपनिया आईपीओ लाएंगी।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल। स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है। इनोवेशन और ग्राहक के प्रति इसके ध्यान के कारण यह ब्रांड कम्फर्ट और रिलेक्सेशन का पर्याय बन गया है। इसका उद्देश्य सर्वोत्तम आराम और विश्राम प्रदान करना है। ब्रांड की पेशकशए हाइग्रो कॉटन बेडशीट 100: कॉटन से एक इनोवेटिव मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेस से बनाई जाती हैं। यह इनोवेटिव प्रोसेस कपड़े को नरमए हवादार और तापमान को ‸६ 2 डिग्री तक नियंत्रित करने में सक्षम बनाती हैए जो एक आरामदायक और सुखद नींद का अनुभव प्रदान करती है। दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के विपिन गेहानी ने कहा हम शीतल फर्निशिंग में पिछले 5 वर्षों से स्पेसेस ब्रांड का एक अभिन्न अंग बनकर खुश हैं। हमें सर्वश्रेष्ठ डीलरशिप स्टोरों में से एक के रूप में पहचाने जाने और वेस्ट जोन मे सेल्स में नंबर होने पर गर्व है। हम स्पेसेस बाय वेलस्पन के साथ अपनी मजबूत साझेदारी को जारी रखने के लिए उत्सुक हैं। स्पेसेस बाय वेलस्पन अपने उपभोक्ताओं के लिए आरामदायक और साथ ही उपयोगी होम टेक्सटाइल लाने के वादे को पूरा करने का प्रयास जारी रखे हुए है जो उनके रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाते हैं। जयपुर में शीतल फर्निशिंग और अभिनन्दन जैसे डीलरशिप स्टोरों के साथ सहयोग करने और काम करने से यह गारंटी मिलती है कि ब्रांड के उत्पादों को ग्राहकों तक सर्वोत्तम सेवा और गुणवत्ता के साथ पहुंचाया जाता हैए जिससे ब्रांड को अधिक सफलता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है।

सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है। जेफरी के मुताबिक टुबैको टैक्स में 5 प्रतिशत-7 प्रतिशत से कम की वृद्धि देश की सबसे बड़ी सिगरेट निर्माता कंपनी आईटीसी के लिए पॉजिटिव हो सकती है।

सिटी ने कहा है कि सरकार किफायती आवास के लिए अधिक धन आवंटित कर सकती है, जिससे मैक्रोटेक डेवलपर्स और सनटेक रियल्टी जैसे डेवलपर्स को लाभ होगा। इसके अलावा जेफरी ने कहा है कि शहरी आवास के लिए ब्याज सब्सिडी योजना की शुरूआत से आवास फाइनेंसर्स और होम फर्स्ट फाइनेंस जैसे कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा।

ऑटोमेकर- भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए पांच वर्षों में 115 अरब रुपये की सब्सिडी दी है और मैक्वेरी को उम्मीद है कि सरकार अपनी लेटेस्ट स्कीम में क्वांटम और टेन्योर दोनों को बरकरार रखेगी। इससे भारत की टॉप ई-कार निर्माता टाटा मोटर्स के साथ-साथ आईपीओ-बाउंड ई-स्कूटर निर्माता ओला इलेक्ट्रिक और ई-बस निर्माता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक और जेबीएम ऑटो को फायदा हो सकता है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्टीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग

आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई: 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई: 543929, एनएसई: एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49ब की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह पर भड़का पूर्व पाक क्रिकेट

-अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालने का आरोप लगाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी बातों को कुछ देशों के क्रिकेट बोर्ड बिना सोचे समझे मान लेते हैं। बासित ने कहा कि जय शाह अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालते हैं क्योंकि भारतीय बोर्ड काफी धनी है और कोई भी उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता। उन्होंने कहा कि इसी कारण बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से इंकार कर तटस्थ स्थल पर खेलने की मांग कर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल में फरवरी-मार्च में होना है।

बीसीसीआई ने आईसीसी से भारत के मैचों को किसी तटस्थ स्थल पर रखे जाने की मांग की है।यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि भारत सरकार टीम को पाकिस्तान यात्रा के लिए मंजूरी शायद ही दे। बीसीसीआई के रुख से निराश बासित ने इसको लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 5-6 बोर्ड हैं, वे जय शाह की कही गई बातों को आसानी से मान लेंगे। अगर वह कहते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होगी, तो वे सहमत होंगे। अगर वह कहते हैं कि यह एक हाइब्रिड मॉडल होगा, तो वे उस पर भी सहमत होंगे। साथ ही कहा कि शाह ने आईपीएल में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए पर्याप्त रकम देकर कई प्रमुख क्रिकेट बोर्डों का समर्थन हासिल किया है।

बासित ने कहा, अन्य देशों के खिलाड़ी भारत में आईपीएल खेलते हैं, तो बीसीसीआई बड़ी रकम का भुगतान करता है। चाहे वह इंग्लैंड, न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया या किसी अन्य देश के क्रिकेटर हो।

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली = जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपए में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपए के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपए अधिक है।

इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है। ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि की गई है। खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपए था। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपए था। अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए कर दिया गया था। इसे हालांकि संशोधित कर 880 करोड़ रुपए किया गया था। खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 (केआईवाईजी) की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है।

मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की। देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है। खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है।

यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपए से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपए हो गई है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसमें 26.83 करोड़ रुपए का उछाल है। साइ देश भर में अपने स्टेडियमों के रख रखाव अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का प्रबंधन भी करता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को बजट में मामूली वृद्धि मिली है। नाडा और एनडीटीएल का काम खिलाड़ियों की डोपिंग जांच करना है। नाडा के बजट को 21.73 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22.30 करोड़ रुपए कर दिया गया है जबकि एनडीटीएल के बजट को 19.50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22 करोड़ कर दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा, मजबूत किया सेमीफाइनल का दावा

दाम्बुला (एजेंसी)। बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा के नाबाद अर्धशतक से पाकिस्तान ने महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यूएई को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

यूएई के 104 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुल की 55 गेंद में आठ चौकों से नाबाद 62 रन की पारी और मुनीबा अली (नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने 14.1 ओवर में बिना विकेट खोए 107 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। यूएई की टीम इससे पहले सादिया (11 रन पर दो विकेट), तुबा हसन (17 रन पर दो विकेट) और नासरा संधू (22 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 103 रन ही बना सकी।

यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश ने 36 गेंद में पांच चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज और कप्तान ईशा ओझा (16) और खुशी शर्मा (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। इस जीत से पाकिस्तान के तीन मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम का सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत हो गया है। यूएई की टीम तीनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है। शाम को दूसरा मैच गत चैंपियन भारत और नेपाल के बीच होगा। भारत दो मैच में दो जीत से चार अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि नेपाल दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

महिला टी20 रैंकिंग : हरमनप्रीत, शैफाली संयुक्त 11वें स्थान पर, मंधाना पांचवें स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई। शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं। जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं। रिचा घोष 24वें स्थान पर है। बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है। गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है। इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटोन शीर्ष पर हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका पहुंची, गर्मजोशी से हुआ स्वागत

पाल्लेकल (एजेंसी)। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते यहां पहुंच गई जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई। इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था।

कोलंबो में कुछ देर रुकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई। भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है। पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे।

भारतीय टीम दो, चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल। टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची।'

भारतीय टीम

टी20 टीम = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मो. सिराज।

वनडे टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

राजस्थान रॉयल्स के कोच बन सकते हैं द्रविड़

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ अब किस आईपीएल टीम से जुड़ते हैं। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच के तौर पर कार्यकाल विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। पहले माना जा रहा था था कि वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ सकते हैं पर अब कहा जा रहा है कि वह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का कोच बन जाने के बाद कहा जा रहा था कि द्रविड़ केकेआर टीम के नये कोच बनेंगे पर ये बात गलत निकली। अब कहा जा रहा है कि द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ की आरआर में वापसी की संभावना है और इस बारे में उनकी टीम से बात चल रही है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी। द्रविड़ का रॉयल्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है। वह आरआर के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में फ्रैंचाइजी साल 2013 में चैंपियंस लीग टी20 फाइनल और आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंची थी। उन्होंने इसके अलावा, 2014 और 2015 में मेंटोर की भूमिका निभाई थी और टीम तीसरे स्थान पर रही थी। अभी ये पता नहीं चला है कि अगर द्रविड़ राजस्थान से जुड़ते हैं तो फ्रैंचाइजी कुमार संगाकारा को क्रिकेट निदेशक के बनाये रखेगी या नहीं। संगाकारा साल 2021 से ही रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक हैं पर अगर द्रविड़ आते हैं तो टीम को संगकारा की जरुरत नहीं रहेगी। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही साफ कर दिया था कि वह फिर से मुख्य कोच पद के लिए आवेदन नहीं करेंगे। इसका कारण है कि अब वह परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं।

भारत गुरुवार से करेगा ओलंपिक की शुरुआत, 16 खेलों में भाग लेगें खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय दल 25 जुलाई से पेरिस ओलंपिक की अपनी यात्रा शुरू करेगा जिसमें 112 एथलीट 16 खेलों में 69 पदक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम ओलंपिक के लिए फ्रांस जाने वाले दल के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगी। 21 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी होगा जो पेरिस 2024 में किसी भी खेल के लिए भारत द्वारा भेजा गया दूसरा सबसे बड़ा दल होगा। ओलंपिक की वेबसाइट के अनुसार यह भारत द्वारा अपने ओलंपिक इतिहास में भेजा गया सबसे बड़ा निशानेबाजी दल है। इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक के दौरान 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल भेजा गया था।

तिरंगा फहराने के लिए पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने वाले तीरंदाजों में दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय जैसे सितारे शामिल हैं। वे 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में प्रतिस्पर्धा करेंगे और अगले दिन होने वाले उद्घाटन समारोह से पहले एक्शन में आने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत को 27 जुलाई को शैटॉरौक्स में राष्ट्रीय शूटिंग केंद्र में होने वाले मिश्रित टीम एयर राइफल पदक मैचों के दौरान पदक जीतने का पहला मौका मिलेगा। इस स्पर्धा में दो भारतीय टीमें, संदीप सिंह/एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबुता/रमिता जिंदल प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनु भाकर दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पर्धाओं और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

शो के स्टार मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगस्त के दौरान एक्शन में होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालीफायर 6 जुलाई को होंगे और फाइनल दो दिन बाद होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 27 जुलाई से 5 अगस्त तक होने वाली बैडमिंटन स्पर्धाओं के दौरान पदकों की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेंगी।

टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू 7 अगस्त को होने वाली महिलाओं की 49 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने वाली लवलीना बोरगोहेन 27 जुलाई से शुरू होकर 10 अगस्त को समाप्त होने वाली मुक्केबाजी स्पर्धाओं के दौरान एक्शन में होंगी। इस दौरान दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन टीम इंडिया के लिए पदक की बड़ी संभावना के रूप में अपना ओलंपिक पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पेरिस 2024 के दौरान भारत तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोइंग, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस और टेनिस में प्रतिस्पर्धा करेगा। ओलंपिक का समापन 11 अगस्त को होगा। भारत 2020 टोक्यो ओलंपिक के अपने सात पदकों की संख्या को पार करने की कोशिश करेगा, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

बोपन्ना ने अपने जोड़ीदार बालाजी की प्रशंसा करते हुए उसे आक्रामक खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली। 43 साल की उम्र में पेरिस ओलंपिक में खेलने जा रहे भारत के शीर्ष युगल टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने उन रिपोर्टों को गलत बताया है जिसमें कहा गया है कि उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी को मजबूत जोड़ीदार नहीं माना जा सकता है। बोपन्ना ने बालाजी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह काफी अच्छा खिलाड़ी है और उनका लक्ष्य अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। बोपन्ना अपने इस अंतिम ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। बोपन्ना ने कहा कि बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी है और बड़े मैचों का दबाव झेलने में सक्षम भी है। बोपन्ना को विश्व युगल रैंकिंग में टॉप 10 में होने के कारण अपनी पसंद का जोड़ीदार चयन करने का अवसर मिला था और उन्होंने बालाजी का चुना जबकि साथी का उम्मीद थी कि वह अपने जोड़ीदार के लिए युकी भांबरी को रखेंगे। बोपन्ना ने कहा कि कोच से सलाह के बाद ही उन्होंने बालाजी के साथ जाने का फैसला किया और इसमें उन्हें कोई गलती नजर नहीं आती।

पदक जीतने कौशल निखारना होगा : सिंधु

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है।'' सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्टपर्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस द्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

ओलंपिक रजत पदक विजेता वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने पेरिस ओलंपिक से वापस लिया नाम

पेरिस - तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया। पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है। ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ बृहस्पतिवार को निकाले जाएंगे जबकि मैच शनिवार से शुरू होंगे।

'मैंने उन्हें कप को गले लगाते और रोते हुए देखा...': द्रविड़ के टी20 विश्व कप जीत के जश्न पर बोले अश्विन

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया कि उन्होंने उस पल को वास्तव में महसूस किया जब पूर्व भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आईसीसी टी20 विश्व कप को गले लगाया और कोच के रूप में अपने अंतिम कार्य में 11 वर्षों में मेन इन ब्लू को उनकी पहली बड़ी ट्रॉफी दिलाने के बाद रोए।

भारत के साथ मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ का कार्यकाल 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर टी20 विश्व कप जीतने के साथ समाप्त हो गया। महान क्रिकेटर, जो एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में प्रमुख आईसीसी विश्व कप ट्रॉफी नहीं जीत सके, को आखिरकार कोच के रूप में भारत के साथ अंतिम अंतरराष्ट्रीय कार्य एक बड़ी सफलता साबित हुई। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को उनके उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया गया, जो 27 जुलाई से श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे में अपने युग की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मेरा पल वह था जब विराट कोहली ने राहुल द्रविड़ को बुलाया और कप दिया... मैंने उन्हें कप गले लगाते और रोते हुए देखा। राहुल द्रविड़ चिल्लाए और रोए। मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते देखा। मैंने इसे बहुत महसूस किया।'

अश्विन ने द्रविड़ की सफलता की सराहना की, भले ही उन्हें एक खिलाड़ी और कोच के रूप में अपने करियर में आलोचनाओं और असफलताओं का सामना करना पड़ा हो, जैसे कि 2007 के 50 ओवर के विश्व कप के पहले दौर से बाहर होना। अश्विन ने कहा कि उन्हें पता था कि पिछले दो-तीन सालों से वह टीम के लिए कितना अच्छा कर रहे थे और उन्होंने टीम के दृष्टिकोण को बदल दिया है।

उन्होंने कहा, 'मैं एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं जो पवित्र है। 2007, 50 ओवर का विश्व कप। भारत बाहर हो गया। उस समय कप्तान राहुल द्रविड़ थे। उसके बाद वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं करते। वह भारतीय टीम के साथ रहे हैं। अगर कुछ ठीक नहीं होता है, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती है, अगर वे कोई मैच हार जाते हैं, तो तुरंत लोग पूछते हैं कि द्रविड़ क्या कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि वह पिछले दो-तीन सालों से इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं। मुझे पता है कि वह कितने संतुलित हैं। मुझे पता है कि उन्होंने इस दृष्टिकोण को बदलने के लिए कितनी मेहनत की है। मुझे पता है कि उन्होंने अपने प्रत्येक खिलाड़ी को क्या दिया है। यहां तक कि जब वह घर पर बैठे होते है, तब भी वह यह योजना बनाते रहते हैं कि यह कैसे करना है और वह कैसे करना है।'

एंडी मर्रे ने संन्यास की घोषणा की, पेरिस ओलंपिक के बाद कहेंगे अलविदा

पेरिस। दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे। सैंतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं।' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होगी। मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था। इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था। मर्रे ने 2019 में कूल्हे की प्रत्यारोपण सर्जरी कराई थी।

करिश्मा की वजह से मेरी फिल्मों में राह आसान हुई थी

करीना कपूर ने कपूर खानदान की महिलाओं के फिल्मों में काम करने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में कपूर परिवार के नाम को पुनर्जीवित किया था। करीना के मुताबिक, करिश्मा ने हिम्मत दिखाई और उन्हीं की वजह से कपूर खानदान की महिलाएं दोबारा फिल्मों में काम कर पाई। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि राज कपूर ये नहीं चाहते थे कि उनके खानदान की महिलाएं फिल्मों में काम करें। इसी वजह से शादी के बाद बबीता और नीतू कपूर ने भी कपूर खानदान की बहू बनने के बाद फिल्में छोड़ दी थीं। करीना ने कहा कि जब करिश्मा ने फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई तो कई फैमिली मेंबर्स ने उनका सपोर्ट किया। खासकर मां बबीता ने उनसे कहा कि मैं चाहती हूं कि तुम जो करना चाहती हो, वो काम करो। पापा रणधीर कपूर जो हमेशा ये सोचते थे कि लोग क्या सोचेंगे, उन्होंने भी उस वक्त करिश्मा को सपोर्ट करते हुए कहा कि अगर तुम फिल्मों में काम करना चाहती हो तो करो लेकिन तुम्हें अपने आप मौके तलाशने होंगे क्योंकि मैं तुम्हारी किसी भी तरह से मदद नहीं करूंगा।

करीना ने आगे कहा, पापा ने करिश्मा को साफ कह दिया था कि कपूर खानदान से होने का मतलब ये नहीं है कि उन्हें फिल्मों में सक्सेस मिल जाएगी और तुम बड़ी स्टार बन जाओगी। तुम अपने दम पर मौके पाओ और आगे बढ़ो।

करिश्मा को कपूर खानदान की पहली महिला स्टार कहा

करीना ने आगे करिश्मा की तारीफ करते हुए उन्हें कपूर फैमिली की पहली फीमेल स्टार बताया। उन्होंने कहा, दादा जी (राज कपूर) का निधन हो चुका था, पापा (रणधीर कपूर) ने केवल एक फिल्म बनाई थी हिना, चिंटू अंकल (ऋषि कपूर) बड़े स्टार थे लेकिन उनके अलावा 90 के दशक में कोई इतना एक्टिव नहीं था, तो करिश्मा ही कपूर फैमिली की पहली बड़ी फीमेल स्टार और सेंसेशन थीं। सही मायनों में उन्होंने ही कपूर फैमिली को फिल्मों में पुनर्जीवित किया था। करीना ने ये भी कहा कि करिश्मा के फिल्मों में काम करने के बाद उनका फिल्मों में जगह बनाना आसान हो गया था क्योंकि सब करिश्मा की बहन को फिल्मों में देखना चाहते थे।"

लड़कियों को हर कोई राय देता है, अपने रूल खुद बनाने की जरूरत

श्वेता त्रिपाठी उन हीरोइनों में से हैं, जिन्होंने हमेशा से दमदार भूमिकाएं कीं। चाहे वो मसान हो, हरामखोर हो या फिर गौन केस। मगर इंडस्ट्री की इस क्यूट एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन हुआ मिर्जापुर की लेडी डॉन गोलू के रूप में। सीरीज के तीसरे सीजन तक आते-आते श्वेता काफी चर्चित हो चली हैं। हाल ही नवभारत टाइम्स संग खास बातचीत में श्वेता त्रिपाठी ने निजी जिंदगी, करियर के सफर के बारे में बात की। साथ ही एक मजबूत महिला होने के मायने बयान किए।

आज ओटीटी ही नहीं फिल्मों में भी औरतों की सेक्शुअलिटी पर खुल कर बातें हो रही हैं। इस बदलाव को कैसे देखती हैं?

आज तक हमारी इच्छाओं की बात ही नहीं हुई है। चाहे वो हमारे पॉलिटिकल डिजायर्स हों, सेक्शुअल हों या फिर पढ़ने-लिखने की इच्छाएं। हमें तो बस हांका गया है, मगर अब यह बदल रहा है और इसका श्रेय हमारी पिछली पीढ़ी को जाता है, जो ये परिवर्तन लाए हैं, हमारे लेखक और निर्देशकों को भी जाता है। अब जैसे हमारे निर्देशक गुरमीत सिंह ने ही तो इतनी मजबूत औरतों को रचा है। हमें इनका अहसानमंद होना होगा। इन्हीं का ही क्यों? हमारे पति, जैसे मेरे पति चीता (चैतन्य) या रसिका (रसिका दुग्गल) के पति मुकुल (एक्टर मुकुल चड्ढा)। हम ऐसे मर्दों के बीच में हैं, जो प्रतिभावान हैं और साथ ही सोच प्रेरक भी।

एक लड़की होने के नाते आप अपनी जिंदगी के कौन-से अहम फैसले ले पाई हैं?

मुझे एक्टिंग के फील्ड में आना था, मैं आई। बावजूद इसके कि मैं यहां किसी को जानती नहीं थी। कई बार मुझे लोग सलाह देते हैं कि इस तरह का काम करो, ऐसे कपड़े पहनो। अपने दिल की बात सुनना भी एक लड़की की बड़ी जीत होती है। ये आपको करना चाहिए, क्योंकि दुनिया और समाज आपके पास सलाह-मशवरे का एक भंडार लगा देता है। सब आपको बता रहे हैं कि आपको क्रीम कौन-सी लगानी चाहिए? शादी किस उम्र में करनी चाहिए? शादी में कौन-सा कलर आप पर सूट करेगा? जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तो मुझसे लगातार पूछा जाता था कि शादी कब कर रही हो? और जब मैंने शादी कर ली, तो कहा जाने लगा कि इतनी जल्दी शादी क्यों की? तो समाज आपको अपनी राय देता जाएगा, मगर आपको अपने लिए खुद के नियम बनाने होंगे। मैं मात्र 6 साल की थी, जब मुझे एक्टिंग करनी थी और मैं अपनी उस इच्छा को पूरा कर पाई, तो वो मेरे लिए सबसे बड़ी जीत है।

आपकी सीरीज मिर्जापुर पर लगातार हिंसा और गाली-गलौज को ग्लोरिफाई करने के आरोप लगते रहे हैं?

आरोप लगाना बहुत आसान है। लोगों को इसमें सिर्फ हिंसा या गालियां ही क्यों दिखती हैं? हमारे सीरीज की हर महिला दमदार है, चाहे वो सीएम माधुरी हो, बीना भाभी हों अथवा जरीना। क्या कोई मेंटल हेल्थ पर बातें करता है, जो इसमें होती हैं? सीरीज में कई लेयर्स हैं। कई मुद्दे हैं। हां हिंसा इसका एक हिस्सा है, क्योंकि वो दुनिया ही मिर्जापुर की है।

मिर्जापुर की गोलू की भूमिका प्रतिशोध, हिंसा और बेरहमी से भरी है। इस जटिल किरदार को जीते हुए क्या कहीं आपकी निजी जिंदगी प्रभावित हुई?

हां, सीजन टू और फिर सीजन 3 के बाद भी हुआ। मैं हमेशा से अपने किरदार के इमोशनल सुर को पकड़ती हूं। मेरा गोलू का किरदार पहले सीजन में रसगुल्ले की तरह थी, मगर तीसरे सीजन तक आते-आते वो प्रतिशोध से भर गई। गोलू के किरदार में प्रवेश करने के लिए मैंने बहुत कुछ किया। फिर एक समय ऐसा आया, जब मुझे लगा कि मैं हैंडल नहीं कर पा रही हूं, मुझ पर गोलू का कुछ ज्यादा ही असर हो रहा है, तब मुझे थैरेपिस्ट से मिलना पड़ा।

शादी के सवाल पर श्रद्धा कपूर बोलीं

श्रद्धा कपूर ने जब से राहुल मोदी के साथ अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया है, तब उनकी शादी की चर्चा हो रही है। श्रद्धा से अक्सर शादी को लेकर सवाल भी किया जाता है। फिल्म 'स्त्री 2' के ट्रेलर लांच के दौरान जब एक्ट्रेस से शादी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो इसका जवाब उन्होंने फिल्मी अंदाज में दिया। उन्होंने कहा- वह स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी। बता दें कि श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म स्त्री 2, 15 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म स्त्री की सीक्वल है। इस फिल्म को लेकर श्रद्धा कपूर काफी एक्साइटेड है। पिछले कुछ समय से श्रद्धा कपूर स्क्रिप्ट राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। पिछले महीने श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर किया था। उन्होंने राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और एक मजेदार कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा था- दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ बैकग्राउंड में फिल्म इश्क का गाना नींद चुराई मेरी भी इस्तेमाल किया था।

दो साल से सिंगल हूं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हूं

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री का अपने पूर्व प्रेमी रोहमन शॉल के साथ पैचअप हो गया है। हालांकि, इसी बीच सुष्मिता ने रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में दिए अपने बयान से प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। सुष्मिता ने खुलासा किया है कि वह दो साल से सिंगल हैं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में सुष्मिता ने खुलासा किया कि वह वास्तव में सिंगल हैं। उन्होंने यह साझा किया कि उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन वह फिलहाल किसी को डेट नहीं कर रही हैं। सुष्मिता ने कहा, मेरे जीवन में कोई पुरुष नहीं है। मैं कुछ समय से अकेली हूं। लगभग दो साल हो गए हैं जब से मैं सिंगल हूं, सटीक रूप से कहूं तो 2021 से... मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। सुष्मिता रोहमन के साथ रिलेशनशिप में थीं। दिसंबर 2021 में उन्होंने उनसे अलग होने की घोषणा की। हालांकि, उन्हें कई इवेंट्स में एक साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा था, हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की थी, हम दोस्त बने रहेंगे। रिश्ता काफी समय पहले खत्म हो चुका था... प्यार बना हुआ है।

25 जुलाई से आदित्य धर की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे रणवीर

बॉलीवुड में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक और आर्टिकल 370 जैसी फिल्में बनाने वाले आदित्य धर अब अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी। कहा जा रहा है कि आदित्य धर और रणवीर सिंह 25 जुलाई से थाइलैंड में फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म से कुछ अन्य सितारों के जुड़ने की भी चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल एक इंटेल नेटवर्क के भीतर बातचीत पर केंद्रित होगा। इसके अलावा रणवीर सिंह के अलावा इस फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन के नाम जुड़ने की भी चर्चा है।

खलनायक के रोल में दिखेंगे संजय दत्त

आदित्य धर की अगली फिल्म में काम करने के लिए रणवीर सिंह उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका निभाएंगे, जबकि रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भारतीय खुफिया तंत्र का हिस्सा होंगे। सभी के लुक टेस्ट पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म की शूटिंग छह महीने की अवधि में पूरी किए जाने की योजना है। फिल्म से जुड़े आधिकारिक एलान जल्द होंगे।

गुलशन देवैया के साथ नहीं बैठा था जान्हवी का तालमेल, फिर ऐसे पूरी हुई 'उलझ' की शूटिंग

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म उलझ की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें उनके साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग और रोशन मैथ्यू जैसे कलाकार अभिनय कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद प्रशंसक इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच जान्हवी कपूर के को-स्टार गुलशन देवैया ने सेट पर उनके साथ तालमेल न बैठाने के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक साक्षात्कार में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ अपने तालमेल को लेकर बातचीत की। देवैया ने कहा, 'हम उस तरह से तालमेल नहीं बैठाते कि बैठ गए और बातें की। सच में हम इस तरह की वाइब साझा नहीं करते।' गुलशन की इस बात पर जान्हवी हंसने लगीं और कहा, 'यह आपकी अब तक की सबसे मजेदार बात है।' अभिनेता ने आगे कहा कि शुरू में उन्हें एक-दूसरे से जुड़ाव की कमी महसूस हुई। हालांकि, उन्हें साथ में करने के लिए कुछ दिलचस्प नहीं मिला, लेकिन उन्हें नहीं लगा कि इससे उनके सीन को प्रभावी ढंग से करने की क्षमता प्रभावित हुई।

'उलझ' एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है जो एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है। वह घर से दूर एक महत्वपूर्ण पद पर काम करते हुए खुद को एक खतरनाक साजिश में फंसी हुई पाती है। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित 'उलझ' में जान्हवी कपूर, रोशन मैथ्यू और गुलशन देवैया के साथ राजेंद्र गुप्ता, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन, मेयांग चांग और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिका में हैं। यह थ्रिलर फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मुंज्या निर्देशक की अगली फिल्म में नजर आएंगे राजीव खंडेलवाल

आदित्य सरपोतदार का सीजन आ गया है। पिछले महीने उन्होंने अपनी हॉरर कॉमेडी मुंज्या से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। पिछले हफ्ते उन्होंने इसी जॉनर की एक और फिल्म ककुड़ा को ओटीटी पर पेश किया था। और अब, यह पता चला है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है और इसमें राजीव खंडेलवाल मुख्य भूमिका में हैं। बातचीत के दौरान, डैशिंग एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता की वेब सीरीज़ मिल गई है, जिसका प्रीमियर डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। यह फिलहाल बिना शीर्षक वाली है और मराठी उपन्यास प्रतिपश्चंद्र का रूपांतरण है। राजीव खंडेलवाल ने इस इंटरव्यू में आदित्य सरपोतदार के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की, ऐसे लोग हैं जो स्क्रीन पर आपका दूसरा पक्ष लाना चाहते हैं। आदित्य उनमें से एक है। इस सीरीज़ में, वह हमसे ज्यादा परफॉर्म करेंगे क्योंकि यह सब कहानी कहने के बारे में है। मैं उनसे कहता रहता हूँ, तुम्हारे पास मुंज्या और काकुड़ा था। अब, इसे मुंज्या जितना बड़ा बनाओ। जून में एक अन्य साक्षात्कार में राजीव खंडेलवाल ने शो के बारे में अधिक जानकारी साझा की, यह एक बहुत ही दिलचस्प सीरीज़ है। मैं इसके सबसे नजदीकी समानांतर इंडियाना जोन्स के बारे में सोच सकता हूँ।